MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-38 ❖ मुंबई ❖ रविवार 11 से 17 सितंबर 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

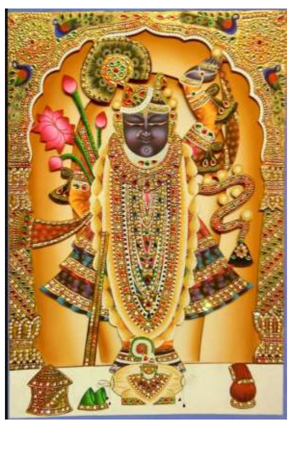

www.mumbaitarang.com

पेज 3

बारामती में एक लाख वोटों से जीतेंगे

पेज 5

आशिकी फेम राहुल रॉय के साथ मिलकर राजेश कुमार वीरा बनाएंगे फिल्म 'प्यार हो गया

पेज 7

अनुष्का ने इंगलैंड ने सुरु की चकदा एक्सप्रेस की शुटिंग

पेज 8

वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी दिलशाद एस. खान ने गणपति बप्पा का दर्शन कर लिया आशीर्वाद

एक नजर

टियागो का ई माडल

नई दिल्ली। घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स इस महीने के अंत में अपनी कार टियागो का इलेक्ट्रिक संस्करण पेश करेगी। टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को विश्व इलेक्ट्रिक वाहन दिवस पर कहा कि नेक्सन और टिगोर के बाद टियागो ईवी इलेक्ट्रिक श्रेणी में कंपनी का तीसरा उत्पाद होगी। टाटा मोटर्स ने अगले पांच वर्षों में बिजली से चलने वाले 10 इलेक्ट्रिक माडल पेश करने का लक्ष्य रखा है। टाटा मोटर्स यात्री वाहन के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्र ने कहा, 'आज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

अर्बन क्रूजर की कीमत तय

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने शुक्रवार को कहा कि उसके स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) अर्बन क्रूजर हायरायडर के शीर्ष चार ट्रिम्स की शोरूम कीमत 15.11 लाख रुपए से 18.99 लाख रुपए के बीच है। मजबूत सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड तकनीक वाले तीन ट्रिम्स की कीमत क्रमशः 15.11 लाख रुपए, 17.49 लाख रुपए और 18.99 लाख रुपए है। आटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ मध्यम हाइब्रिड पावरट्रेन और 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन वाले संस्करण की कीमत 17.09 लाख रुपये है। सभी कीमतें शोरूम की हैं और इनमें अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं।

एएमपी नए क्षेत्र में उतरी

नई दिल्ली। एएमपी एनर्जी ने सौर सेल और मॉड्यूल विनिर्माण के क्षेत्र में उतरने की शुक्रवार को घोषणा की। इसके साथ ही वेबसोल एनर्जी सिस्टम्स के साथ संयुक्त उपक्रम बनाने की योजना की भी जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'एएमपी एनर्जी इंडिया ने 1.2 गीगावाट (1,200 मेगावाट) तक के मोनोक्रिस्टेलिन पीईआरसी सौर सेल एवं माड्यूल के विनिर्माण और उत्पादन के लिए वेबसोल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड के साथ संयुक्त उपक्रम बनाने की घोषणा की है।' इन सेल का विनिर्माण पश्चिम बंगाल के फाल्टा में वेबसोल की मौजूदा इकाई में होगा।

इस्मा के नए डीजी

नई दिल्ली। चीनी उद्योग संगठन इस्मा ने शुक्रवार को एस. मोहंती को अपना नया महानिदेशक नियुक्त करने की घोषणा की। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने बयान में कहा कि इस्मा की मुख्य समिति ने अपनी पहली बैठक में मोहंती को संगठन के नए महानिदेशक के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है। मोहंती 15 अक्टूबर 2022 से पहले पद ग्रहण कर लेंगे। इस्मा ने अप्रैल के अंत में कहा था कि उसके महानिदेशक अविनाश वर्मा ने 27 अप्रैल को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। मोहंती आईएसडब्ल्यूएआई में महासचिव थे।

बप्पा के विसर्जन पर भक्ति में डूबी मुंबई

मुंबई, दस दिनों की पूजा-अर्चना के बाद शुक्रवार को गणपति बाप्पा की विदाई प्रतिमा को विसर्जित कर की गई। मुंबई और महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में सभी भक्त नम आंखों से अपने आराध्य को विदाई देते हुए दिखाई दिए। विसर्जन से पहले गणपति बाप्पा मोरया, पुढच्या वर्षी लवकर या और गणपति चले अपने गांव के नारों की गूंज के बीच श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा निकाली। इस दौरान ढोल-नगाड़े बजाए गए और लोग गुलाल उड़ाते भी दिखे। इस दौरान सड़कों पर भक्ति का जनसैलाब उमड़ पड़ा था, जिसे देखते बन रहा था।

इस साल गणेशोत्सव का आयोजन कोविड-१९ वैश्विक महामारी की विभिन्न पाबंदियों के बिना किया गया। इसलिए विसर्जन में बड़ी संख्या में लोग आए। पिछले दो साल से कोरोना के कारण भक्त गणेशोत्सव पहले की तरह धूमधाम से नहीं मना पा रहे थे। मनपा प्रशासन के मुताबिक दसवें दिन कुल ६,७४७ सार्वजनिक, ३१,२५९ घरेलू और ३०८ गौरी समेत ३८,२१४ प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया। इसमें से ७६९ सार्वजनिक, ८,८७३ घरेलू और ८२ गौरी समेत कुल ९,७५१ मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में हुआ। बता दें कि डेढ़, पांच, छह, सात और दस दिन की कुल १,९३,०६२ मूर्तियों को विसर्जित किया गया, जिसमें से ६६,१२७ मूर्तियां मनपा द्वारा तैयार तालाबों में विसर्जित की गईं

लालबाग के राजा के लिए सड़कों पर सैलाब

मुंबई में गणेशोत्सव के समय सबसे बड़ा आकर्षण हमेशा की तरह लालबाग के राजा को लेकर रहा, जिन्हें विदाई देने के लिए जैसे पूरा शहर सड़कों पर निकल आया था। हर कोई बाप्पा की भक्ति में डूबा था और उनके आखिरी दर्शन करता दिखाई दिया।

सुरक्षा के खास इंतजाम

मनपा ने १० हजार कर्मचारियों को ड्यूटी पर लगाया था। विसर्जन के मौके पर मुंबई में किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए करीब साढ़े १८ हजार पुलिस की तैनाती की गई थी। इसके अलावा आठ एसआरपीएफ कंपनियां, एक रैपिड एक्शन फोर्स कंपनी और ७५० होमगार्ड के जवान तैनात किए गए थे।

विसर्जन के दौरान लगा 11 लोगों को करंट

पनवेल में गणपति विसर्जन के दौरान ११ लोगों को बिजली का झटका लग गया, जिसके बाद सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिसमें से ७ लोगों को पनवेल के उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया तो वहीं दो को पटवर्धन अस्पताल, दो को लाइफलाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहीं घायलों में दो लोगों को आईसीयू में रखा गया। एक चश्मदीद ने बताया कि तालाब में गणपति विसर्जन से पहले वडघर घाट पर पूजा-आरती चल रही थी, तभी अचानक एक बच्चा नीचे गिर गया और कांपने लगा, जिसे बचाने के लिए कई लोग दौड़े और वो लोग भी उसी में चिपक गए, तब लोगों को अहसास हुआ कि यह सब करंट लगने की वजह से हो रहा है। कुछ पुलिसकर्मियों ने चिल्लाकर आवाज दी कि जनरेटर बंद करो, उसके बाद जनरेटर बंद किया गया। जनरेटर बंद होने के बाद करंट लगने से घायल हुए सभी लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जानकारी होते ही प्रशासन के कई अधिकारी और कर्मचारियों ने अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना। जांच में पता चला कि यह दुर्घटना जनरेटर के संचालक की गलती से हुई है, जिसके बाद शनिवार को जनरेटर संचालक कंपनी पर मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा विधायक नितेश राणे का बड़ा बयान

मुंबई। हिंदुत्व मुद्दे को लेकर भाजपा और उध्दव ठाकरे वाली शिवसेना में शुरू लड़ाई के बीच भाजपा विधायक नितेश राणे ने बड़ा बयान दिया है.शनिवार को अहमद नगर में आयोजित जनआक्रोश मोर्चा को सम्बोधित करते हुए नितेश राणे ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को हिन्दूहदय सम्राट बताया। नितेश राणे के इस बयान के बाद राज्य की राजनीतिक वातावरण गरमा सकती है.इसके साथ-साथ उद्धव ठाकरे की शिवसेना इसे हिन्दू हृदय सम्राट स्व बालासाहेब ठाकरे का अपमान कहते हुए भाजपा को पूरे राज्य में घेर सकती है.लव जिहाद के खिलाफ भाजपा ने जन आक्रोश मोर्चा का आयोजन किया था. जिसमे उपस्थित भाजपा विधायक नितेश राणे ने मोर्चा को संबोधित करते हुए फडणवीस को हिन्दू हृदय सम्राट बताया। बालासाहेब ठाकरे को कहा जाता है हिन्दुहृदय सम्राट शिवसेना के संस्थापक स्व बालासाहेब ठाकरे को हिन्दू हृदय सम्राट कहा जाता है यह उपाधि उन्हें बीते कई साल पहले दी गई है.भाजपा विधायक नितेश राणे के फडणवीस को हिन्दू हृदय सम्राट कहे जाने के पहले महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राज ठाकरे को हिंदू हृदय सम्राट की उपाधि दी थी लेकिन अब कार्यकर्ताओं ने हिन्दू जननायक बोलना शुरू कर दिया है.अब जब भाजपा के विधायक फडणवीस को हिन्दुहृदय सम्राट बता रहे है इस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना क्या भूमिका लेगी यह देखना महत्वपूर्ण होगा। लव जिहाद मामले पर बोलते हुए नितेश राणे ने कहा कि सत्ता रहे या नहीं लेकिन इस विषय को छोटा नहीं बनाना है.क्योंकि यह विषय बेहद गंभीर है.जो परिस्थिति आज उद्धव ठाकरे की है वह धर्मांतरण कराने वाले एक्टिविस्ट की है.हिन्दू लड़कियों की भविष्य खराब की जा रही है.

एकनाथ शिंदे ने अजीत पवार और उद्धव ठाकरे पर कसा तंज

ठाणे: विरोधी दलों द्वारा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे राज्य का कार्यभार छोड़कर गणपति दौरे में व्यस्त होने के आरोपों को लेकर सीएम शिंदे ने जमकर निशाना साधा है। शिंदे के निशाने पर उद्धव ठाकरे और अजीत पवार रहे। सीएम शिंदे ने कहा कि लोगों को लग रहा है कि मैं उनका अपना मुख्यमंत्री हूं, इसलिए लोग उनके पास आकर फोटो निकालते हैं, लेकिन कुछ लोगों को यह हजम नहीं हो रहा है क्योंकि उनके साथ इस प्रकार से समर्थकों की भीड़ इकट्ठा नहीं हो रहा हैं। ठाणे के टेंभी नाका स्थित नवरात्रौत्सव मंडल के पंडाल पूजा में शिंदे ने उपस्थित होकर पूजा की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए विरोधी पक्ष नेता अजीत पवार और उद्धव ठाकरे पर जमकर हमला बोला। मैं जनता के बीच घूमने लगा हूं शिंदे ने कहा कि मैं जनता के बीच घूमने लगा हूं इसलिए अन्य लोग भी अब घर से बाहर निकलकर घूमने लगे हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्हें मिलने वाला यह पुण्य सिर्फ उनके कारण मिल रहा है। इसलिए यह पुण्य आनंद के साथ मिले क्योंकि यही अपनी संस्कृति और परंपरा हैं। जैसे पहले था वैसे आज भी हूं मुख्यमंत्री ने अजीत पवार ने अपरोक्ष रूप से हमला बोलते हुए कहा कि हम ऐसी जगहों पर जाते हैं, जहां हम कैमरा ले सकते हैं। जैसे मैं मुख्यमंत्री बनने से पहले था, वैसे ही आज भी हूं और हमारे मुख्यमंत्री होने के नाते सभी लोग प्यार और स्नेह से मुझसे संपर्क करते हैं। इसलिए मैं उनके साथ तस्वीरें लेता हूं और मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ गलत है। साथ ही शिंदे ने कहा कि वे अब अन्य लोगों के पास क्यों नहीं जाते, मैं इसका उत्तर नहीं दे सकता।

उद्धव ठाकरे को एकनाथ शिंदे की चुनौती एनसीपी नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने आलोचना की थी कि राज्य को दो मुख्यमंत्रियों की जरूरत है। सुप्रिया सुले ने कहा था कि एक मुख्यमंत्री को राज्य के मामलों को चलाना चाहिए और एक मुख्यमंत्री को घूमना चाहिए। इसके अलावा अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा। एकनाथ शिंदे ने इन सभी आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हुए कहा कि लोग मुझे प्यार से बुला रहे हैं इसलिए मैं उन्हें अस्वीकार नहीं कर सकता, परन्तु कुछ लोगों को फोटो लेने के लिए लोगों के करीब जाना पड़ रहा है। देशद्रोहियों का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं करेगा महाराष्ट्र आतंकी याकूब मेमन की कब्र का मुद्दा इस समय गर्मा गया है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि याकूब मेनन बम विस्फोट मामले में आरोपी था और देशद्रोही था। उसे मौत की सजा सुनाई गई थी। महाराष्ट्र उसके महिमामंडन को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इसलिए उन्होंने इस मामले में पुलिस और मुंबई महानगरपालिका को निर्देश दे दिए गए हैं और जल्द ही गृह विभाग द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से कैसे निपटेगी भाजपा

राहुल के लिए इस यात्रा के क्या मायने?

कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' का आज चौथा दिन है। सात सितंबर को राहुल गांधी ने तमिलनाडु के कन्याकुमारी से इसकी शुरुआत की थी। शनिवार को यात्रा मुलागुमूदु पहुंची और रविवार तक यह केरल पहुंच जाएगी। 150 दिन तक चलने वाली यह यात्रा 12 राज्यों से गुजरेगी। 3,570 किलोमीटर लंबी इस यात्रा का समापन जम्मू-कश्मीर में होगा। जहां, इस यात्रा को लेकर कांग्रेस में उत्साह है। कांग्रेस को इस यात्रा से अपना जनाधार बढ़ने की भी उम्मीद है। विरोधी भाजपा की इस यात्रा पर नजर है।

यात्रा में क्या होना है?

150 दिन तक चलने वाली यात्रा 12 राज्यों के बीस शहरों से गुजरेगी। इस दौरान करीब 3570 किमी दूरी तय करेगी। इस यात्रा में कांग्रेस के साथ ही दूसरी राजनीतिक पार्टियां, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, लेखक, कलाकार और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हो रहे हैं।

राहुल की यात्रा से भाजपा को क्या चिंता?

ये समझने के लिए हमने राजनीतिक विश्लेषक प्रो. अजय कुमार सिंह से बात की। उन्होंने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन कुछ सालों के अंदर उत्तर भारत में काफी अच्छा हुआ है। ऐसे में अब पार्टी का पूरा फोकस दक्षिण की तरफ है। इसके लिए पार्टी के दिग्गज नेता लगातार कोशिश भी कर रहे हैं। राहुल की यात्रा से अगर कांग्रेस के साथ जनसमर्थन जुड़ता है तो इससे भाजपा की तैयारियों को झटका लग सकता है।' प्रो. सिंह के मुताबिक, भाजपा भी दक्षिण राज्यों को जीतना चाहती है। अभी दक्षिण के राज्यों में भाजपा काफी कमजोर है। भाजपा के नेता ये जानते हैं कि अगर राहुल की इस यात्रा का कुछ भी असर हुआ तो ये उनके लिए मुसीबत बन सकती है। यही कारण है कि राहुल की यात्रा का तोड़ निकालने की कोशिश शुरू हो गई है।

कांग्रेस के लिए इस यात्रा के क्या मायने?

प्रो. सिंह कहते हैं, 'राहुल गांधी जानते हैं कि कांग्रेस के लिए भी दक्षिण के राज्य कितने अहम हो सकते हैं। क्योंकि, अगर कांग्रेस को सियासी जमीन बचानी है तो दक्षिण के राज्यों की मुख्य लड़ाई में बने रहना होगा। अभी ज्यादातर दक्षिण के राज्यों में कांग्रेस मजबूती से लड़ती रही है। फिर वह केरल हो या तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश। सभी जगह कांग्रेस मुख्य लड़ाई में रहती है।' प्रो. सिंह कहते हैं कि राहुल गांधी इसी को मजबूत बनाने की कोशिश में हैं। इसलिए उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का ज्यादा समय दक्षिण के राज्यों में दिया है।

कोलकाता में छह ठिकानों पर ईडी की टीम ने मारा छापा, 17 करोड़ रुपये बरामद

प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत कोलकाता स्थित एक मोबाइल गेमिंग एप कंपनी के प्रमोटरों पर छापेमारी के बाद लगभग 17 करोड़ रुपये नकद जब्त किए। केंद्रीय जांच एजेंसी ने जब्त किए गए पैसों एक तस्वीर भी जारी की। इसमें 500 रुपये के साथ-साथ 2,000 और 200 रुपये के नोटों के बंडलों को एक बिस्तर पर एक साथ रखा हुआ दिखाया गया है।

एजेंसी ने नोट गिनने की पांच मशीनें लगाईं। काम में बैंक कर्मचारियों को भी लगाया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा कि 'ई-नगेट्स' नाम के गेमिंग एप और इसके प्रमोटर की पहचान आमिर खान और अन्य के रूप में की गई है। सीआरपीएफ के जवानों ने ईडी की टीमों को पश्चिम बंगाल की राजधानी और उसके आसपास गार्डन रीच, पार्क स्ट्रीट और मोमिनपुर इलाकों जैसे स्थानों पर पहुंचाया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अब तक परिसर से करीब 17 करोड़ रुपये नकद मिले हैं। नोटों की गणना जारी है। एजेंसी के सूत्रों ने कहा कि गेमिंग एप ऑपरेटर के कुछ राजनीतिक लिंक जांच के दायरे में हैं। परिसर के बाहर आरबीआई का एक ट्रक भी देखा गया।

छह जगह छापेमारी

शिक्षक घोटाला, पशु तस्करी और कोयला घोटाला मामले में सीबीआई के अलावा ईडी और सीआईडी पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं। इसी कड़ी में शनिवार (10 सितंबर) सुबह ईडी की टीम ने कोलकाता में छह जगह छापेमारी की। माना जा रहा है कि यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर की गई।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कोलकाता के पार्क स्ट्रीट, मैकलियॉड स्ट्रीट, गार्डेनरीच और मोमिनपुर में ईडी की अलग-अलग टीमें सुबह से ही छापेमारी कर रही हैं। भारी मात्रा में केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों के साथ ये टीमें तलाशी अभियान चला रही हैं।

उल्लेखनीय है कि बंगाल में पिछले दिनों से शिक्षक घोटाला, पशु तस्करी, कोयला तस्करी के साथ ही चिटफंड मामले में केंद्रीय एजेंसियां लगातार छापेमारी कर रही हैं।

जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम ने शनिवार सुबह सबसे पहले पार्क स्ट्रीट से सटे मैकलियॉड स्ट्रीट पर दो आवासों की तलाशी ली। इसके बाद ईडी के अधिकारी 36/1 मैकलियॉड स्ट्रीट गए। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम किसी वाहिद रहमान नामक शख्स की तलाश कर रही है। इसके बाद टीम 34/ए मैकलियॉड स्ट्रीट स्थित आवास पर भी गई।

बताया जा रहा है कि इस दौरान टीम ने घर पर मौजूद लोगों से बातचीत की।

रूस से दूरी नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईस्टर्न इकॉनमिक फोरम की सातवीं बैठक में अपने भाषण से एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत की नीति अन्य देशों और संगठनों के हितों तथा उनकी प्राथमिकताओं से तय नहीं होने वाली। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत आर्कटिक मसलों पर रूस के साथ साझेदारी मजबूत करने का इच्छुक है। उन्होंने रूस से कोकिंग कोल का आयात बढ़ाने की संभावनाओं का तो जिक्र किया ही, यह भी कहा कि पूर्वी रूस के विकास में भारतीय प्रफेशनल टैलंट अहम भूमिका निभा सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के नेतृत्व की भी तारीफ की। हालांकि यह तारीफ रूस के पूर्वी क्षेत्रों के विकास के सीमित संदर्भ में की गई थी, लेकिन फिर भी मौजूदा वैश्विक संदर्भों में इसकी अहमियत को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

प्रधानमंत्री ने ये बातें ऐसे समय में कही हैं, जब पश्चिमी देश बार-बार संकेत दे रहे हैं कि रूस के साथ भारत की व्यापारिक गतिविधियां उनकी आंखों में खटक रही हैं। भले अमेरिका समेत किसी भी देश ने इस पर सीधे आपत्ति नहीं की, लेकिन उनकी लगातार यह कोशिश रही है कि धीरे-धीरे ही सही इसमें कमी की जाए। इन्हीं कोशिशों के तहत अब रूस के तेल की कीमतों पर कैप लगाने की बात भी की जा रही है। मगर प्रधानमंत्री के इस भाषण ने उन तमाम परोक्ष संकेतों और दबाव बनाने की कोशिशों को एक झटके में अप्रासंगिक बना दिया। अब बात तेल आयात करने या हथियारों की खेप मंगाने तक सीमित नहीं रही। अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने की हो गई है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से देखा जाए तो यह भारत की ओर से राजनीतिक स्तर पर पश्चिमी देशों को दिया गया अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत कहा जा सकता है। यह इस लिहाज से भी अहम है कि अगले सप्ताह ही उज्बेकिस्तान में होने वाली एससीओ (शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन) शिखर बैठक में रूसी राष्ट्रपति पूतिन और प्रधानमंत्री मोदी

की आमने-सामने मुलाकात होने वाली है। हालांकि इन सबका मतलब यह नहीं माना जा सकता कि यूक्रेन युद्ध के मसले पर भारत के स्टैंड में कोई बदलाव आ गया है।

गौर करने की बात है कि ईस्टर्न इकॉनमिक फोरम की उस बैठक में पूतिन यूक्रेन युद्ध का जिक्र करने से बचते रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल उसका जिक्र किया और उसकी वजह से वैश्विक स्तर पर सप्लाई लाइन में आ रही दिक्कतों का मुद्दा उठाया बल्कि युद्ध बंद करने के शांतिपूर्ण उपायों के लिए अपना पूरा समर्थन भी घोषित किया। जाहिर है, प्रधानमंत्री के इस स्पष्ट बयान को किसी और रूप में नहीं लिया जा सकता। इससे भारत के इस या उस तरफ झुके बगैर अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करते रहने की प्रतिबध्दता ही रेखांकित हुई है।

कैसे सुरक्षित हों सड़कें

किरीट ए. चावड़ा

देश के जाने-माने उद्योगपति और टाटा संस के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री की पिछले दिनों सड़क हादसे में हुई मौत ने मोटर वाहनों में निहित सुरक्षा उपायों और उनके इस्तेमाल की अहमियत की ओर नए सिरे से ध्यान खींचा है। यह बात खबरों में आई कि मिस्त्री कार में पिछली सीट पर बैठे थे और उन्होंने सीट बेल्ट नहीं बांध रखी थी। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर उन्होंने सीट बेल्ट बांधी होती तो उनके बचने की प्रबल संभावना थी। अपने देश में यात्री सुरक्षा के उपायों को लेकर भारी उदासीनता है। आलम यह है कि पिछली सीट पर यात्रा करते हुए भी सीट बेल्ट बांधने की जरूरत होती है, यह बात ज्यादातर लोगों को पता ही नहीं है। खुद केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि कानून में स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद लोग इसका पालन नहीं करते और ट्रैफिक पुलिस के ऑफिसर भी इस पर किसी तरह का कदम नहीं उठाते।

गौरतलब है कि सेंट्रल मोटर वीइकल रूल 138 (3) में कहा गया कि है पिछली सीट पर बिना सीट बेल्ट लगाए यात्रा करने पर 1000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। मगर इस कानून पर अमल होता

नहीं दिखता। अब जरूर सरकार जागी है तो इस मोर्चे पर अगले कुछ दिनों में एक्शन दिखने की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी के बारे में उदासीनता या लापरवाही का आरोप नहीं लगाया जा सकता। वह इन मसलों पर भी न केवल बोलते रहे हैं बल्कि कार निर्माताओं से भी सुरक्षा उपाय बढ़ाने की अपील करते रहे हैं।

चूंकि बयान, सुझाव और अपील खास असर नहीं दिखा रहे इसलिए अब नियम कानूनों और दंडात्मक कार्रवाई का सहारा लेने की जरूरत है। सरकार ने संकेत भी दिया है कि न केवल सीट बेल्ट न लगाने वालों के साथ सख्ती बरती जाएगी बल्कि कम से कम छह एयरबैग और पिछली सीटों के लिए भी सीट बेल्ट अलार्म सभी गाड़ियों में लगाना अनिवार्य करने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि कार कंपनियों की दलील है कि महंगे स्लॉट वाली गाड़ियों में तो यह लगाया जाता है लेकिन छोटी गाड़ियों में इससे लागत काफी बढ़ जाएगी, जिससे बिक्री पर बुरा असर पड़ सकता है। मगर याद रखना चाहिए कि भारत सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों के मामले में दुनिया में पहले नंबर पर है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2021 में देश में 1.55 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए। मतलब रोज 426 और हर घंटे 18 मौतें। हर लिहाज से यह बहुत ज्यादा है। सरकार अगर 2024 तक इस संख्या को आधा करने का लक्ष्य लेकर चल रही है तो यह अच्छी बात है, लेकिन इसे संभव बनाने के लिए लोगों में जागरूकता और मोटर वाहनों के सुरक्षा उपायों के अलावा सड़कों को सुधारने पर भी गंभीरता से काम करना होगा।

2024 चुनावों के लिए बिसात अभी से बिछ गई, खेल भी हो गया शुरू

गणेश पाण्डेय

2024 आम चुनाव के अभी डेढ़ साल बाकी हैं। इतने वक्त में देश की सियासत कई करवटें ले सकती है। लेकिन चुनाव को लेकर पक्ष और विपक्ष अभी से अपने-अपने हिसाब से सियासी पिच तैयार करने में जुट गए हैं। अपनी मजबूती और कमजोरी को देखते हुए दोनों खेमे आम चुनाव का अजेंडा सेट करने की भी कोशिश में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हालिया भाषण और रुख से साफ संदेश दे दिया है कि 2024 में गवर्नेंस और करप्शन के खिलाफ जंग को मुद्दा बनाकर अपने लिए तीसरा कार्यकाल मांगेंगे। वहीं, कांग्रेस ने भारत जोड़ो अभियान और दिल्ली में रैली करके यह संकेत दिया है कि वह महंगाई-बेरोजगारी को 2024 चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाएगी। ऐसे में अगले कुछ महीनों तक दोनों पक्षों की ओर से अपने अनुरूप नैरेटिव सेट करने की तमाम कोशिशें दिखेंगी। इनकी वजह से सियासी तापमान और बढ़ सकता है।

एक ओर विपक्षी एकता की नए सिरे से शुरू की गई कोशिशों के बीच करप्शन के मसले को केंद्र में लाने की पहल खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। बिहार में नीतीश कुमार के पाला बदलने और उनकी विपक्षी दलों को एक करने के प्रयासों के बीच मोदी ने इसे करप्शन के खिलाफ गठबंधन बता डाला। पिछले दिनों केरल में आयोजित एक रैली में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैंने 15 अगस्त को लाल किले से एलान किया था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का समय आ गया है। हम देख रहे हैं कि जैसे ही हमने भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की, राष्ट्रीय स्तर पर एक नया राजनीतिक ध्रुवीकरण शुरू हो गया। इन भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए कई राजनीतिक गुट खुलेआम एक-दूसरे के साथ आकर एकता दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।'

विपक्षी गठबंधन पर साधा निशाना

यह नीतीश सहित तमाम विपक्षी दलों पर हाल के दिनों में सबसे बड़ा और सीधा प्रहार था। इसमें 2024 के लिए अजेंडा सेट करने का संदेश भी था। दरअसल, 2014 से लेकर अब तक पीएम मोदी के नेतृत्व में करप्शन और परिवारवाद को हमेशा बड़ा मुद्दा बनाया गया। 2014 में मोदी सरकार को करप्शन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की उम्मीद पर बड़ा बहुमत भी मिला था। हालांकि बाद में सरकार पर आरोप लगे कि इस मोर्चे पर वैसी कार्रवाई नहीं हुई, जैसी अपेक्षा थी। उलटे विजय माल्या, नीरव मोदी जैसे वित्तीय फ्रॉड करने वाले जब देश छोड़कर भाग गए तो सरकार की फजीहत ही हुई। साथ ही 2019 में राहुल गांधी की अगुवाई में राफेल डील में घोटाले का आरोप लगाकर पीएम मोदी को उनके ही मजबूत किले में घेरने की असफल कोशिश भी हुई। बीजेपी और मोदी इसे अपना सबसे मजबूत पक्ष मानते हैं कि उनकी सरकार में करप्शन के कोई गंभीर आरोप नहीं लगे। 2019 में बड़ी जीत के बाद फिर पीएम ने 2024 में आजमाए फॉर्म्युले से ही आगे बढ़ने की जमीन तैयार कर दी।

इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिए उनके भाषण को भी इसी संदर्भ में देखना होगा। उन्होंने करप्ट नेताओं के महिमामंडन की प्रवृत्ति पर चिंता जताई। पीमोदी ने संकेत दिया कि विपक्षी हमले के बीच वह करप्शन पर अपने स्टैंड को नहीं बदलेंगे और अगले आम चुनाव में भी इसे बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश करेंगे। करप्शन के आरोप में सजा पाए नेताओं को जनता पसंद न करे, इसकी भी मांग कर एक बड़ा राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की गई। दरअसल, पीएम मोदी ने लाल किले से करप्शन पर तब सख्त तेवर दिखाए, जब विपक्षी दलों ने जांच एजेंसियों पर राजनीतिक अजेंडा के हिसाब से कार्रवाई करने का आरोप लगाया और इस पर खूब राजनीति की। पिछले कुछ महीनों में करप्शन को लेकर जांच के दायरे में विपक्ष के कई नेता आए हैं। विपक्ष का कहना है कि उनके नेताओं पर दबाव बनाने के लिए इस तरह की कार्रवाई हो रही है। पिछले दिनों एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में केंद्रीय एजेंसी के दुरुपयोग के विपक्ष के आरोप पर पीएम मोदी ने कहा था कि हिंदुस्तान में हमेशा चुनाव चलता रहता है तो क्या सरकार और उसकी एजेंसियां काम ना करें?

विपक्ष को जनता पर भरोसा

वहीं विपक्ष को लगता है कि बीजेपी का दांव इस बार सही नहीं लगने वाला। उसका तर्क है कि हाल में जिस तरह एकतरफा कार्रवाई हुई है उससे न सिर्फ बीजेपी की, बल्कि जांच एजेंसियों की भी विश्वसनीयता पूरी तरह समाप्त हो गई है। अब विपक्षी दल जांच एजेंसियों पर सीधा हमला कर रहे हैं। एक वर्ग का मानना है कि जांच एजेंसियों ने एक के बाद एक लगातार विपक्षी दलों पर हमला कर इस नैरेटिव को बनाने में विपक्ष की मदद भी कर दी। लगभग सभी विपक्षी दल जांच एजेंसियों के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। ईडी को मिले असीमित अधिकार को जब सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया तो लगभग सभी दलों ने इसके खिलाफ अपील करने की बात की और उनकी अपील को स्वीकार भी किया गया। विपक्ष का कहना है कि मोदी सरकार के आठ वर्षों में जांच एजेंसियां अपनी कार्रवाई को कोर्ट में सही साबित करने में पूरी तरह विफल रहीं। विपक्षी दलों का यह भी तर्क है कि आम लोगों के सामने महंगाई और बेरोजगारी बड़ी समस्या है। अगर वे इन मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे, तो न सिर्फ लोगों का साथ मिलेगा, बल्कि करप्शन के नाम पर होने वाली कार्रवाई से उन्हें लोगों की सहानुभूति मिलेगी। वे एनडीए सरकार की करप्शन पर बेदाग छवि पर भी सवाल उठाते हैं। विपक्ष लोगों के बीच संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि चंद बड़े उद्योगपतियों को हर संसाधन सरकार के संरक्षण में दिलाना भी एक बड़ा करप्शन है। वे इसे 2024 में बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश में हैं।

कांग्रेस को यह तूफान पहले क्यों नहीं दिखा

भूपेन्द्र पटेल

देश जब आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, आजादी के आंदोलन की अगुवा रही कांग्रेस अपने भविष्य ही नहीं, शायद अस्तित्व के संकट से रूबरू है। इस गंभीर संकट से निपटने की कांग्रेस आलाकमान की नीति-रणनीति भी आशा जगाने के बजाय निराशा ही बढ़ाने वाली है। दशकों तक देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस की यह दशा अचानक नहीं हुई। लगातार आती गई कमजोरियों का अहसास तो उसे समय रहते खुद ही हो जाना चाहिए था, लेकिन जब कोई मरीज अपने मर्ज से ही मुंह चुराने लगे तो फिर उसका इलाज कैसे संभव है? अब गुलाम नबी आजाद के पांच पेज के विस्फोटक इस्तीफे के बाद जिस कांग्रेस संकट की चर्चा और चिंता हर ओर हो रही है, उसकी आहट आठ साल पहले ही सुन ली जानी चाहिए थी, जब अपना सर्वाधिक शर्मनाक चुनावी प्रदर्शन करते हुए पार्टी पहली बार 50 से भी कम 44 सीटों पर सिमट गई थी। हार से उपजी हताशा

2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय सत्ता में बीजेपी के आसीन होने के बाद शुरू हुआ कांग्रेस का बुरा वक्त खत्म होता नहीं दिखता। बेशक, चुनावी हार से कांग्रेस पहली बार रूबरू नहीं है। 1967 में संविद सरकारों के दौर में उसे कुछ राज्यों में सत्ता गंवानी पड़ी थी। आपातकाल के बाद 1977 में हुए आम चुनाव में मतदाताओं ने उसे केंद्र की सत्ता से बेदखल कर दिया था।

केंद्र समेत कई राज्यों की सत्ता से कांग्रेस 1989 और 1996 में भी बेदखल हुई। इन हारों के बावजूद कांग्रेस में वैसी हताशा कभी नहीं दिखी, जैसी 2014 लोकसभा चुनाव के बाद से नजर आ रही है। 2019 में लगातार दूसरे लोकसभा चुनाव में शर्मनाक प्रदर्शन के बाद तो लग रहा है कि कांग्रेस जड़ हो गई है। देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल ऐसे वक्त में भी तीन साल से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बिना चल रहा है। आश्चर्य नहीं कि पार्टी और परिवार के प्रति निष्ठावान रहे कांग्रेसी भी अब उससे मुंह मोड़ने लगे हैं। तात्कालिक लाभ के लिए बार-बार दल बदलने वालों को आप सत्तालोलुप दलबदलू भी कह सकते हैं। अनुभव बताता है कि उनका हश्र बहुत अच्छा नहीं होता। लेकिन अपने दल की दशा और दिशा से हताश होकर पार्टी को अलविदा कहने वालों को अलग श्रेणी में रखा जाना चाहिए। 2014 के बाद से ऐसे कांग्रेसियों ने भी दल बदला है, जो पीढ़ियों से पार्टी और नेहरू परिवार के प्रति निष्ठावान रहे। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा से लेकर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद तक ऐसे कांग्रेसियों की सूची काफी लंबी है।

सत्ता की मेवा की चाह आजीवन रहती है, लेकिन उम्र के अंतिम पड़ाव पर कोई दूसरा दल कृष्णा या आजाद को ऐसा क्या दे देगा, जो उन्हें कांग्रेस में रहते हुए नहीं मिल पाया? पूर्वोत्तर में बीजेपी के विस्तार में अहम भूमिका निभाने वाले हिमंत बिस्वा सरमा के दलबदल के मूल में तो कांग्रेस आलाककमान द्वारा लगातार अनदेखी रही, लेकिन गुलाम नबी आजाद तो लंबे समय तक आलामान का हिस्सा ही रहे। बात यह है कि सत्ता में रहते हुए संगठन की कमजोरियां छिपी रहती हैं, लेकिन विपक्ष में आने के बाद इन्हें बेनकाब होते देर नहीं लगती।दशकों तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस एक राजनीतिक दल से सत्ता तंत्र में तब्दील हो चुकी थी। उसका असली संकट यही है।

कार्यकर्ता जनता से कट गए तो नेता कार्यकर्ताओं से और नेतृत्व अपने ही नेताओं से।

इससे परस्पर अविश्वास की खाई बढ़ी। आजाद ने अपने इस्तीफे में जिस तरह राहुल गांधी पर तीखे प्रहार किए हैं, वैसी ही टिप्पणियां राहुल-प्रियंका की बाबत पार्टी छोड़ते समय कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने भी की थीं। संकट अभूतपूर्व इसलिए है कि सिर्फ बुजुर्ग ही नहीं, राहुल गांधी की टीम बताए जाने वाले युवा नेता भी तेजी से कांग्रेस से किनारा कर रहे हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह, जितिन प्रसाद तो राहुल गांधी की ही टीम के अग्रणी सदस्य थे।

अब कांग्रेस अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाने वाले पृथ्वीराज चव्हाण से लेकर आनंद शर्मा तक जो नेता मुखर नजर आ रहे हैं, वे 10 वर्ष के कांग्रेसनीत यूपीए शासन में सरकार और पार्टी के मुख्य रणनीतिकार हुआ करते थे। यह राजनीतिक प्रबंधन पर भी प्रश्नचिह्न है, जिसके लिए कभी कांग्रेस जानी जाती थी।

यह प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या 2017 में अध्यक्ष बने राहुल गांधी ने 2019 लोकसभा चुनाव में शर्मनाक हार की नैतिक जिम्मेदारी ले इस्तीफा देकर कांग्रेस का संकट बढ़ाया है, जबकि उनके कार्यकाल में ही पार्टी राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी से सत्ता छीनने में सफल रही थी? यह भी कि मां सोनिया गांधी के अंतरिम अध्यक्ष काल में भी मध्य प्रदेश-राजस्थान-पंजाब में महत्वपूर्ण निर्णय राहुल गांधी ने ही लिए, जिनमें कहीं-कहीं उनकी बहन प्रियंका गांधी भी सक्रिय नजर आईं, जबकि वह उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव भर हैं। संवादहीनता तो दूर हो हर पीढ़ी के कांग्रेसियों में भविष्य को लेकर जैसी चिंता है और उसके जैसे राजनीतक नतीजे नजर आ रहे हैं, उसका तकाजा है कि कांग्रेस अतीत की आत्ममुग्धता और वर्तमान की जड़ता से उबरकर भविष्य की अग्निपरीक्षा के लिए कमर कसे। इस संकटकाल में भी महंगाई-बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर हल्ला बोल रैली से कांग्रेस जनहित की राजनीति का संदेश देना चाहती है तो उसके वांछित परिणाम के लिए सबसे पहले अपना घर दुरुस्त करना होगा। पहली परीक्षा 17 अक्टूबर को होने वाला कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव होगा। नया अध्यक्ष नेहरू परिवार से ही होगा या उसका कोई विश्वस्त, यह तो 19 अक्टूबर को पता चलेगा, लेकिन ऊपर से नीचे तक फैली संवादहीनता और अविश्वास के संकट से उबरना कांग्रेस के बचने की पहली अनिवार्य शर्त है। यह कांग्रेस की देश के प्रति जिम्मेदारी भी है।

महाराष्ट्र सत्ता संघर्ष

सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 27 सितंबर को

पांच जजों की संवैधानिक पीठ मामले की सुनवाई करेगी

मुंबईः महाराष्ट्र की सियासत में एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के बीच चल रही असली और नकली शिवसेना की जंग पर आज दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत के सामने शिंदे गुट के वकील नीरज कौल ने मांग करते हुए कहा कि चुनाव आयोग के ऊपर लगाई गई रोक को हटाया जाए। कौल ने कहा कि पार्टी के चिन्ह को लेकर चुनाव आयोग की जो कार्रवाई रुकी हुई है। उस रोक को हटाया जाए। अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 सितंबर को की जाएगी। संवैधानिक बेंच के अध्यक्ष जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि हम पूरे मामले में विस्तृत सुनवाई की समय सीमा 27 सितंबर को तय करेंगे। उसी दिन चुनाव आयोग वाले पहलू पर सबकी दलील सुनकर उसका फैसला किया जायेगा। जिस पर ऐतराज जताते हुए उद्धव खेमे के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि यह गलत है, जो लोग विधानसभा सदस्यता के लिए अयोग्य हो सकते हैं। उन्हें चुनाव आयोग जाने का हक नहीं है। यदि एक बार शिंदे कैंप को चुनाव चिह्न मिल गया तो पूरा मामला गड़बड़ हो जाएगा। संवैधानिक पीठ करेगी मामले की सुनवाई पांच न्यायधीशों की संवैधानिक खंडपीठ मामले की सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति धनजंय चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में यह सुनवाई होगी। पांच जजों के समक्ष होने वाली इस सुनवाई पर महाराष्ट्र समेत पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं। सीजेआई उदय ललित इस खंडपीठ में शामिल नहीं हैं। डी चंद्रचूड़ और हिमा कोहली को इस मामले की जानकारी है। लिहाजा इन दोनों न्यायाधीशों को इसमें शामिल किया गया है। इनके अलावा न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, एमआर शाह और नसीमान को भी इस खंडपीठ में शामिल किया गया है। शिवसेना के चुनाव चिन्ह मामले पर सुप्रीम कोर्ट 27 सितंबर को सुनवाई करेगा। अगली तारीख पर अदालत यह तय करेगी कि जब तक विधायकों की अयोग्यता पर सुप्रीम कोर्ट फैसला नहीं कर लेता तब तक चुनाव आयोग चुनाव चिन्ह पर फैसला कर सकता है या नहीं।

बारामती में एक लाख वोटों से जीतेंगे

- मिशन बारामती पर बोले जयंत पाटिल
- हम भी उनके नेताओं को बनाएंगे निशाना

मुंबई। एकाध अश्वमेध को रोकने पर जिस परेशानी का सामना करना पड़ता है. उसी तरह की परेशानी शरद पवार (Sharad Pawar) की बारामती में भाजपा को हो रही है। राकांपा प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल (Jayant Patil) ने भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए यह बात कही। एक न्यूज चैनल को दिए साक्षात्कार में जयंत पाटिल ने भाजपा और उसके नेताओं पर हमला बोला। उन्होंने कहा, वे जानते हैं कि बारामती की जनता कैसी है, इसीलिए बारामती (Baramati) में किसी के आने पर भी सुप्रिया सुले और अजित पवार को एक लाख से ज्यादा वोट मिलते हैं। जयंत पाटिल ने कहा कि एकाध बार सूर्य पश्चिम से उग सकता है..लेकिन बारामती शरद पवार को छोड़ेगी नहीं.. क्योंकि यह रिश्ता बेहद मजबूत है।पाटिल ने कहा कि बारामती से उम्मीदवार कौन होगा, यह भाजपा (B J P) तय करेगी। फिलहाल भाजपा ने बारामती को टार्गेट किया है। इसके अलावा हमें भी टार्गेट किया जा रहा है। हम सबसे बड़े लोगों को टार्गेट कर रहे हैं, ऐसा माहौल बनाकर भाजपा का मीडिया के सामने जाने का यह तरीका है। जयंत पाटिल ने यह भी चेतावनी दी कि कुछ दिनों में हम अपनी योजना पेश करेंगे और उन्हें भी एहसास होगा कि हम किसी को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे सत्ता है, लेकिन सत्ता में रहते हुए भी लोगों के काम छोड़कर ऐसी तैयारी करने में लगे हैं, इसका मतलब यह हुआ कि भाजपा को यह अहसास होने लगा है कि उसकी लोकप्रियता कम हो रही है। जयंत पाटिल ने हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ऐसे काम तब करती है, जब उसकी लोकप्रियता कम हो जाती है। जयंत पाटिल ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले का भाजपा ने विधानसभा चुनाव में टिकट काट दिया था.

भगत सिंह कोश्यारी से मिले शिंदे

मुंबई। मंगलवार को दिन भर नेताओं की मेल-मुलाकात और गणपति दर्शन का दौर जारी रहा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की उपस्थिति में राजभवन के जल भूषण में स्थापित बप्पा की आरती की। राज्यपाल के घर विराजमान बप्पा का मंगलवार को विसर्जन किया गया। इसके पहले मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच 10 मिनट तक बातचीत हुई। इधर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सरकारी आवास वर्षा बंगले पर जाकर बाप्पा के दर्शन किए। इस दौरान राज ठाकरे की पत्नी शर्मिला ठाकरे, पुत्र अमित ठाकरे भी मौजूद थे। इस दौरान राज ठाकरे और मुख्यमंत्री शिंदे के बीच आधे घंटे तक बातचीत हुई।

वन और सांस्कृतिक कार्यमंत्री सुधीर मुनगंटीवार से पूर्व भाजपा सांसद छत्रपति संभाजी महाराज ने मुलाकात की। सह्याद्रि गेस्ट हाऊस में हुई इस मुलाकात के दौरान रायगड किले के विकास को लेकर बातचीत हुई।मुनगंटीवार ने इस बारे में आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। इसके बाद मुनगंटीवार ने राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात की। इस दौरान गोंडवाना विश्वविद्यालय के विकास को लेकर चर्चा हुई। राज्यपाल ने कहा कि गोंडवाना विश्वविद्यालय को वर्ल्ड क्लास बनाने के लिए पूरा सहयोग किया जाएगा।

एकनाथ शिंदे के निमंत्रण पर संसद गोपाल शेट्टी ने किया गणेश दर्शन

मुंबई के सवार्गीण विकास के लिए दिया मुख्यमंत्री को निवेदन

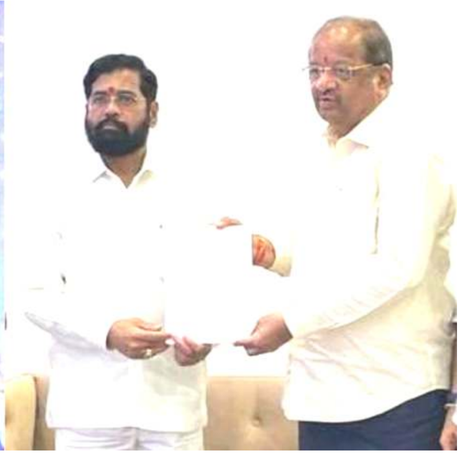

मुंबई उत्तर मुंबई भाजपा सांसद गोपाल शेट्टी गणेशोत्सव निमित्त महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निमंत्रण पर निवास स्थान में जाकर दर्शन किए। परंतु साथ ही गणपति बप्पा के साक्षी में मुंबई शहर के विकास कार्यों के संदर्भ में निवेदन सादर किया ।मुंबई के सर्वांगीण विकास को लेकर अपने निवेदन पत्र में भाजपा उत्तर मुंबई सांसद गोपाल शेट्टी ने निवेदन में ९ मुद्दों का उल्लेख किया है। दिनांक २७ मई से २२ अगस्त २०२२ तक मुंबई के सर्वांगीण विकास कार्यों सम्बन्धित लिखे हुए पत्रों का उल्लेख इस निवेदन में किया गया है ।पूर्व की महविकास आघाडी सरकार कार्यकाल के दौरान स्थगित विकास कार्यो को गति देने संदर्भ - विकासकों के परियोजना के पूरा होने तक विलंबीत प्रोजेक्ट के लिए प्रीमियम चार्जर्स पर ५०% की रियायत की समय अवधि बढ़ाई जाए। जो अवधि ३१ जनवरी २२ तक बढाई गई थी । वह बढ़ाकर इसके तत्काल प्रभाव में आनेवाले फ्लैट धारक, निवेशकों के लाभ में सरकार ने सोचने की आवश्यकता है ।मेट्रो रेल २-A,

लिंक रोड के कार्य में दहिसर से अंधेरी डी. एन. नगर तक को गति दी जाए। यह मेट्रो रेल का बहुतांश कार्य पूर्ण होने के कगार पर होने के बावजूद पिछले ढाई वर्ष में महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में यह ठप्प पड़ा था। यह मेट्रो २A कॉरिडोर शीघ्र संचालित की जाने की बात रखी गई हैं।विकास नियमन की ३३ (११) की कलम का दुरुपयोग रोकने के लिए भी सांसद गोपाल शेट्टी ने अपने निवेदन में मुद्दा पुनः रखा है। डीसीआर ३३(११) के गलत उपयोग के विषय में सां. शेट्टी ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को ११ जुलाई को विस्तृत पत्र लिखा था । वहीं ईमारत संबंधी कायदे के केंद्र सरकार द्वारा संशोधित विधेयक को ६ वर्ष गुजरने के बाद भी अमलीकरण न होने के संदर्भ में , हो रहे विलंब को

दूर करने के लिए मुंबई महानगरपालिका आयुक्त को योग्य दिशा निर्देश दिए जाएं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पूरी के सांसद गोपाल शेट्टी पर लिखे गए प्रत्युत्तर को आधार बनाकर इमारत अनुमति के कायदे का अमलीकरन हो यह मुद्दा भी रखा गया है ।आगामी नवरात्रि महोत्सव को ध्यान में रखते हुए । जिस प्रकार दहीहंडी व गणेश उत्सव के समय मर्यादा अथवा अन्य किसी छोटे-मोटे अपराध के तहत पुलिस केस रजिस्टर्ड थे उन्हें हटाया गया है उसी प्रकार नवरात्रि महोत्सव के आयोजकों पर लगे केस खत्म किए जाएं । ऐसा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से निवेदन में सांसद गोपाल शेट्टी ने मांग की है । इस वर्ष नवरात्रि महोत्सव मध्य रात्रि तक मनाने की अनुमति आयोजकों को दी जाएं। मुंबई जैसे महानगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनभागीदारी योजना द्वारा आरोग्य संबंधी विशेष सुविधा खड़ी की जाने संदर्भ में भी सांसद शेट्टी ने दिनांक २९ जुलाई २०२२ के अपने पत्र का उल्लेख आज के इस निवेदन में किया है।

मढ मार्वे के (के/डब्ल्यू, पी/एस और पी/एन मनपा प्रभाग के अंतर्गत प्रस्तावित अनेक पुल के निर्माण कार्य को शीघ्र गति से पूर्ण कर यातायात व्यवस्था को गति दी जाने का मुद्दा भी इस निवेदन में अलेखित किया गया है।वहीं साथ ही पी/उत्तर मनपा प्रभाग में सरकारी जमीन का दुरुपयोग भू माफियाओं द्वारा करने संदर्भ में कार्यवाही हो । रियल एस्टेट के विकास क्षेत्र में मुख्यमंत्री जी द्वारा सीधा हस्तक्षेप हो ताकि विकास

शरद पवार मोदी से न उलझें

मुंह की खाएंगे : चंद्रशेखर बावनकुले

महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार पर जमकर प्रहार किया है. बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शरद पवार से दिल्ली के छह जनपथ निवास में जाकर मिले. इसे 2024 में बीजेपी और पीएम मोदी के नेतृत्व के खिलाफ विपक्ष की एकजुटता का प्रयास समझा जा रहा है. इस मुलाकात की खिल्ली उड़ाते हुए चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि शरद पवार और नीतीश कुमार चाहे तीसरा, चौथा, पांचवां फ्रंट या फिर जितने मर्जी फ्रंट बना लें, पीएम मोदी का कर्तृत्व और नेतृत्व इतना विशाल है कि इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा.

चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि पीएम मोदी को 150 देशों में लोकप्रियता हासिल हुई है. पीएम मोदी को दुनिया विश्व गुरु मानती है.

ऐसे नेता की कोई बराबरी नहीं कर सकता. जिस नेता की पार्टी के दस सांसद भी जीत कर नहीं आ पाते, जिनके साठ से ज्यादा विधायक नहीं चुन कर आ पाते, वे आज कल दिवा स्वप्न देख रहे हैं. इस तरह से कटाक्ष करते हुए चंद्रशेखर बावनकुले ने शरद पवार को यह नसीहत दी कि वे पीएम मोदी से ना टकराएं, मुंह की खाएंगे. चंद्रशेखर बावकुले बुधवार को मीड़िया से संवाद साधते हुए यह कह रहे थे. शरद पवार पर कटाक्ष नीतीश कुमार पर भी दे धपाक! बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने सिर्फ शरद पवार पर ही तानों की बौछार नहीं की, उन्होंने नीतीश कुमार पर भी जम कर प्रहार किया. उन्होंने जिन्हें मुख्यमंत्री का पद ही बीजेपी की कृपा से मिला है. जैसे यहां उद्धव ठाकरे ने दगाबागी की, वैसे वहां नीतीश कुमार ने भी वही किया. बीजेपी इन जैसे दगाबाजों को उनकी जगह दिखा देगी. 'पीएम मोदी बहुत बड़े हैं, पवार अभी कहां खड़े हैं' चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि महाराष्ट्र में दो सौ से ज्यादा विधायक बीजेपी के चुन कर आएंगे. महाराष्ट्र में अब कभी महाविकास आघाड़ी की सत्ता वापस नहीं आने वाली है. पीएम मोदी अभी बहुत बड़े हो गए हैं. शरद पवार कहां उनसे उलझने के पीछे पड़े हैं. मुंह के बल गिरना है तो आएं, बीजेपी उन्हें जमीन दिखला देगी. मुंबई, पुणे समेत महाराष्ट्र भर में मेयर बीजेपी का होगा

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि आगामी महापालिकाओं के चुनाव में देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हम लड़ेंगे और प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेंगे. मुंबई में हमारा मेयर होगा. पुणे में हमारा मेयर होगा. महाराष्ट्र भर में हमारा मेयर होगा. चुनाव कहीं भी हो. नंबर एक की पार्टी बीजेपी होगी. उद्धव ठाकरे के अमित शाह पर दिए गए बयानों पर भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि उद्धव ठाकरे फ्रस्टेशन में कुछ भी बोल रहे हैं. उनका सीएम पद चला गया. उन्हीं के कार्यकर्ताओं ने उनसे सीएम पद छीन लिया.

वीडियो कॉल के दौरान युवक ने खुद को आग लगाई

मुंबई। सांताक्रूज़ में 19 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने घर पर वीडियो कॉल (Video call) के दौरान अपनी प्रेमिका से झगड़ा करते हुए खुद को आग (fire) लगा ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वकोला थाने के एक अधिकारी ने कहा कि पीड़ित सागर परशुराम जाधव 30 फीसदी तक जल गया है और उसका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, जाधव का गणपति के एक पंडाल में जाने के बाद सोमवार रात को अपनी महिला मित्र के किसी खास सड़क से जाने को लेकर फोन पर झगड़ा हो गया था। अधिकारी ने कहा कि गुस्से में उसने खुद को आग लगाने की धमकी दी और इसी दौरान उसकी कमीज़ के कॉलर में आग लग गई। उन्होंने कहा कि जाधव के परिवार के सदस्य घर पर थे, उन्होंने आग बुझाई और उसे अस्पताल ले गए। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने युवक का बयान दर्ज कर लिया है और उसने कहा है कि उसके इस कदम के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। मामले की आगे की जांच जारी है।

मढ़ मार्वे में 49 अनधिकृत स्टूडियो की जांच का मनपा आयुक्त ने दिया निर्देश

मुंबई। मनपा आयुक्त इक़बाल सिंह चहल ने मालाड मार्वे में बने अवैध स्टूडियो की जांच का आदेश दिया है। मनपा आयुक्त ने उपायुक्त उपायुक्त हर्षद काले एक माह के भीतर आरोपों की जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है ।मनपा प्रशासन उसके बाद अवैध स्टूडियो के खिलाफ एक्शन लेगी। बता दे कि मालाड के मढ़, मार्वे, ईरंगल और भाटी में 49 अवैध स्टूडियो के निर्माण का आरोप भाजपा नेता किरीट सोमैया ने लगाया था।मनपा द्वारा जांच का आदेश देने के बाद किरीट सोमैया ने आरोप लगाया कि जांच का आदेश होने बाद यह सिद्ध हो गया कि इस घोटाले में उद्धव ठाकरे सरकार में मंत्री रहे

असलम शेख और आदित्य ठाकरे का समर्थन था। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने अपने जांच आदेश में कहा गया है कि मालाड , मार्वे और आसपास के इलाकों में 49 अवैध स्टूडियो के निर्माण और सीआरजेड सहित एमडीजेड के उल्लंघन की शिकायत की गई थी। जिन्हें वर्ष 2021-22 में नोटिस भी जारी किया। आरोप लगाया गया है कि बिना परमिशन, नकली दस्तावेज , झूठे परमिशन के आधार पर हजारों वर्ग मीटर की जगह पर अवैध तरीके से स्टूडियो का निर्माण किया गया है। इसमें मनपा एवं महाराष्ट्र कोस्टल जोन मैनेजमेंट अथॉरिटी के अधिकारियों की मिलीभगत है। मनपा आयुक्त ने अवैध निर्माण की शिकायत को देखते हुए उपायुक्त हर्षद काले को जांच का आदेश दिया है। काले को 4 सप्ताह के भीतर पूरी मामले की जांच कर रिपोर्ट सौपने का निर्देश दिया गया है । साथ ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की भी सिफारिश करने की भी बात कही गई है। मनपा आयुक्त ने सात मुद्दों पर जांच प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया है। जिसमे मनपा के कई अधिकारियों के भी फंसने की आशंका जताई जा रही है। - पी नॉर्थ विभाग के सहायक आयुक्त और असिस्टेंट इंजीनियर व अन्य अधिकारियों की भूमिका की जांच की जाएगी।

- वार्ड से कितने परमिशन दिए गए।
- अवैध रूप से कितने स्टूडियो चल रहे हैं।
- मनपा और एमसीजेडएमए ने किस तरह की परमिशन दी थी। परमीशन सिर्फ सेट के लिए थी या स्टूडियो बनाने की भी अनुमति दी गई थी ।

हफ्ते भर में दूसरी बार मिले शिंदे-राज ठाकरे क्या रंग लाएगी दोनों की मुलाकात?

मुंबई। महाराष्ट्र में बीएमसी के चुनाव करीब आते ही मेल-मुलाकातों का दौर तेज हो चुका है। इसी कड़ी में मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के मुखिया राज ठाकरे की मुलाकात हुई। बता दें कि हफ्ते भर में दोनों के बीच यह दूसरी मुलाकात है।

केंद्र में अमित शाह

इससे पहले एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) और राज ठाकरे के बीच एक सितंबर को मुलाकात हुई थी। दिलचस्प बात यह भी है कि एक सितंबर को दोनों की मुलाकात से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का महाराष्ट्र दौरा प्रस्तावित था। वहीं इस बार दोनों की मुलाकात तब हुई है जबकि अमित शाह महाराष्ट्र से वापस लौट चुके हैं। उधर यहां पर बीएमसी के चुनाव भी होने वाले हैं। ऐसे में इस बात की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है इन मुलाकातों के केंद्र में बीएमसी चुनाव हो सकते हैं।

सियासी अटकलें तेज

हालांकि अभी यह सामने नहीं आया है कि इस मुलाकात के दौरान एकनाथ शिंदे और राज ठाकरे के बीच क्या बातें हुईं। लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि बीएमसी चुनावों से पहले गठजोड़ को लेकर खिचड़ी पकी होगी। बता दें कि अमित शाह के दौरे से पहले जब शिंदे और राज ठाकरे की मुलाकात हुई थी तब राज ने इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया था। हालांकि अब अमित शाह के महाराष्ट्र दौरे के तत्काल बाद जब फिर से दोनों की मुलाकात हुई है तो इसको लेकर सियासी अटकलें तेज हो गई हैं।

व्यावहारिक शिक्षा का महत्व

हिरल शाह

हर कोई अलग तरह से सीखता है, और सीखने की शैली एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में, दृश्य से, कर्ण, मौखिक, शारीरिक या तार्किक सीखने की शैली में भिन्न हो सकती है। लेकिन एक प्रकार की शिक्षा है जिससे अधिकांश छात्रों को लाभ होता है, और वह है व्यावहारिक शिक्षा (practical learning)।

अध्ययन करते समय, अपने विषय की व्यावहारिक समझ प्राप्त करना महत्वपूर्ण है और आप जो सिद्धांत सीखते हैं वह वास्तविक जीवन की स्थितियों पर कैसे लागू होता है। व्यावहारिक शिक्षण आपको दैनिक चुनौतियों और परिदृश्यों के लिए आवश्यक त्वरित अनुकूलन सीखने की अनुमति देता है और आपको अपने पाठ्यक्रम विषय की बेहतर समझ प्राप्त करने की अनुमति देता है। आपके अध्ययन के संदर्भ में व्यावहारिक सीखने के 4 लाभ यहां दिए गए हैं।

बेहतर कौशल (skills)

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, व्यावहारिक शिक्षा में छात्रों को गैर-कक्षा वातावरण में अपने कौशल को लागू करने में मदद करने की अद्वितीय क्षमता है।

जबकि किसी विषय या विषय के सिद्धांत को सीखना महत्वपूर्ण है, सिद्धांत को व्यावहारिक स्थिति में लागू करना और लागू करना आपको मौजूदा कौशल ~ जैसे समस्या-समाधान पर निर्माण करने में सक्षम बनाता है।

यह आपको क्षेत्र में अपने तकनीकी ज्ञान को लागू करने की अनुमति भी देता है,

जो सभी विषयों में अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद है, लेकिन विशेष रूप से बागवानी, वृद्ध देखभाल और विकलांगता देखभाल जैसे विषयों में।

आपकी समझ को बढ़ाता है

कुछ चीजें हैं जिन्हें समझने के लिए अनुभव करने की आवश्यकता है, और यह अधिकांश विषयों के लिए सच है।

उदाहरण के लिए, वृद्ध देखभाल में एक प्रमाण पत्र आपको सैद्धांतिक रूप से तैयार कर सकता है, लेकिन आपकी मदद की ज़रूरत वाले वरिष्ठ नागरिक के साथ एक-एक करके काम करने से आपको किसी चीज़ की देखभाल करने की बेहतर समझ मिलेगी, और कुछ कार्यों को करने का सबसे अच्छा तरीका होगा।

गहरा प्रभाव पैदा करता है

इंटरएक्टिव शिक्षा ~ व्यावहारिक शिक्षा के रूप में ~ किसी विषय पर आपकी समझ और समझ को मजबूत कर सकती है। जबकि सैद्धांतिक शिक्षा में पाठ्यपुस्तकों और शोध पत्रों का उपयोग किया जाता है, व्यावहारिक शिक्षा आपको चीजों को पहले सीखने की अनुमति देती है। यह सीखना शिक्षा का एक मूलभूत हिस्सा है और एक छात्र के सीखने के स्तर और समझ को बेहतर बनाने के लिए अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से काम करता है।

बेहतर ज्ञान प्रतिधारण

सीखने के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने से अक्सर अधिक गहन ज्ञान प्राप्त होता है, जिसमें जानकारी को जल्दी और लंबे समय तक बनाए रखने की क्षमता होती है।

इसका कारण यह है कि सैद्धांतिक, पाठ्य-आधारित शैली में सीखते समय हमारा मस्तिष्क शब्दों को याद रखने का प्रयास करता है। हालाँकि, व्यावहारिक वातावरण में सीखते समय, हम उन क्रियाओं और परिदृश्यों को याद कर रहे होते हैं जिन्हें हमारे दिमाग में बनाए रखना आसान होता है।

इन्हीं कारणों से हमने स्टर्लिंग इंस्टीट्यूट में अपने छात्रों को उनकी पढ़ाई के पूरक के लिए सर्वोत्तम व्यावहारिक सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए शीर्ष स्तरीय सुविधाओं के साथ भागीदारी की है।

50 साल से कम उम्र के कैंसर मरीज बढ़ रहे:मोटापा, खराब डाइट और गलत लाइफस्टाइल बना रही बीमारी का शिकार

चार्ल्स पटेल

दुनियाभर में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। भारत में हर साल लगभग 13 लाख लोग कैंसर का शिकार हो रहे हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) का आकलन है कि 5 साल में देश में 12% की दर से कैंसर मरीज बढ़ेंगे, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती कम उम्र में कैंसर का शिकार होने की है।

नेचर जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के अनुसार, कम उम्र में कैंसर की सबसे बड़ी वजहों में हमारी लाइफस्टाइल है। ग्लोबल कैंसर ऑब्जरवेटरी के आंकड़ों के अनुसार, 50 साल की उम्र से पहले ब्रेस्ट, प्रोस्टेट और थायराइड कैंसर सबसे ज्यादा हो रहे हैं। भारत में ब्रेस्ट कैंसर, मुंह का कैंसर, गर्भाशय और फेफड़ों के कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं।

फास्ट फूड कल्चर

भारत समेत दुनिया के तमाम देशों ने पारंपरिक खानपान छोड़कर फास्ट फूड अपना लिया है। इसकी वजह से कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। ज्यादा तला-भुना और पुराने या बार-बार गर्म किए गए तेल में बनी चीजों से कैंसर होता है। प्लास्टिक के प्लेट में खाने और ज्यादा मीट खाने से भी कैंसर का खतरा बढ़ता है।

मोटापा

मोटापा अपने आप में ऐसी बीमारी है,जो कई बीमारियों को न्योता दे रही है। कैंसर भी उनमें से एक है। दुनिया के विकसित देशों में मोटापे की समस्या बढ़ती जा रही है। अमेरिका मोटापे से सबसे ज्यादा परेशान है। दुनिया में कैंसर के भी सबसे ज्यादा मरीज अमेरिका में ही हैं। वजन बैलेंस रखना जरूरी है।

तंबाकू का नशा

नशा, खासतौर पर तंबाकू का नशा सबसे बड़ा कैंसर कारक है। मुंह के कैंसर के सबसे ज्यादा मामले तंबाकू के ज्यादा सेवन से होते हैं। भारत में कैंसर के किसी भी प्रकार से पीड़ित 10 में से 7 मरीजों की मौत हो जाती है।

कम उम्र से शराब पीना शुरू करने वालों में कैंसर ज्यादा हो रहा है।

माइक्रोबायोम

माइक्रोबायोम (वायरस, बैक्टीरिया और फंगस) कैंसर कारक हैं या नहीं, इस पर लंबे समय से बहस चल रही है, लेकिन नए शोध में यह माना जाने लगा है कि हैपेटाइटिस और HPV जैसे वायरस इंफेक्शन से कैंसर हो सकता है। जिन परिवारों में कैंसर हिस्ट्री है, उन्हें कम उम्र में कैंसर का ज्यादा खतरा होता है। इससे मलाशय का कैंसर हो सकता है।

शारीरिक गतिविधि में कमी से पेट का कैंसर

नेचर जर्नल में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, तनाव भरी जीवनशैली, जिसमें दौड़भाग तो खूब है, लेकिन व्यायाम, योग, खेल जैसी चीजों के लिए जगह नहीं है, हमें कैंसर की बीमारी दे रही है। जो लोग लगातार नाइट शिफ्ट में काम कर रहे हैं, उन्हें कैंसर का खतरा बढ़ा है। 35 साल की उम्र तक जिन महिलाओं ने बच्चों को दूध नहीं पिलाया, उन्हें भी कम उम्र में ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा बढ़ा है। कोल्ड ड्रिंक और ऐसे ही दूसरे ड्रिंक, जिसमें ज्यादा सोडा और मीठा डाला जा रहा है, कैंसर की आशंका बढ़ाते हैं। लंबे समय तक ज्यादा तीखा खाने से पेट का कैंसर हो सकता है।

घट रहा सोशल मीडिया का क्रेज:25 साल तक के युवाओं पर सर्वे, अमेरिका में 7 साल पहले 71% किशोर फेसबुक यूजर थे, अब 32%

रंजनबेन मसोया

जनरेशन जेड यानी 1997 से 2012 के बीच पैदा हुए लोग अब सोशल मीडिया, खासकर फेसबुक पर नियमित तौर पर एक्टिव नहीं हैं। आभासी दुनिया की दोस्ती पर उनका यकीन कम हुआ है। जबकि 1981 से 1996 के बीच पैदा हुए 26 से 41 साल के लोग अब भी फेसबुक का ज्यादा नियमित इस्तेमाल कर रहे हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के नए सर्वे के अनुसार, अमेरिका में 13 से 17 साल के सिर्फ 32% टीनएजर्स ही नियमित तौर पर फेसबुक का इस्तेमाल कर रहे हैं। 2014-15 में 71% टीनएजर्स नियमित तौर पर फेसबुक यूजर थे। वे इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसी सोशल मीडिया साइट्स का भी इस्तेमाल कर रहे थे। अमेरिका में किशोर सोशल मीडिया यूजर्स की संख्या में गिरावट अचानक नहीं हुई। किशोरों में नियमित तौर पर फेसबुक का इस्तेमाल पिछले 5 सालों में हर साल घटता गया।

फेसबुक से डेटा लीक का खतरा

दरअसल, पिछले कुछ सालों में सोशल साइट्स से डेटा लीक होने और प्राइवेसी को ज्यादा खतरा देखा गया है। इसकी वजह से जनरेशन जेड में सोशल मीडिया का क्रेज घटा। उनका फेसबुक से भी मोहभंग हुआ है। वे नए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सहजता से स्विच कर जाते हैं। फेसबुक की ही पेरेंट कंपनी मेटा के इंस्टाग्राम पर 62% टीनएजर्स हैं, लेकिन वे भी नियमित तौर पर इसका इस्तेमाल नहीं करते। जल्दी बोर हो जाते हैं। यही वजह है कि सोशल मीडिया कंपनियां अलग फीचर्स के साथ नए सोशल साइट्स लॉन्च करती रहती हैं

फेसबुक का आकलन है कि आने वाले कुछ सालों में अमेरिका में फेसबुक के पास जनरेशन जेड के नियमित यूजर्स नहीं होंगे, लेकिन पिछली पीढ़ी फेसबुक का इस्तेमाल करती रहेगी। प्रोफेसर डॉ. डस्टिन यॉर्क कहते हैं- फेसबुक और दूसरी सोशल साइट्स जनरेशन जेड को आकर्षित करने के लिए काफी बदलाव कर रही हैं, लेकिन प्यू रिसर्च सेंटर के ही इंग्लैंड में किए गए एक दूसरे सर्वे में यह बात सामने आई कि किशोरियों में वीडियो का क्रेज बढ़ता जा रहा है।

भारत में 73% बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे

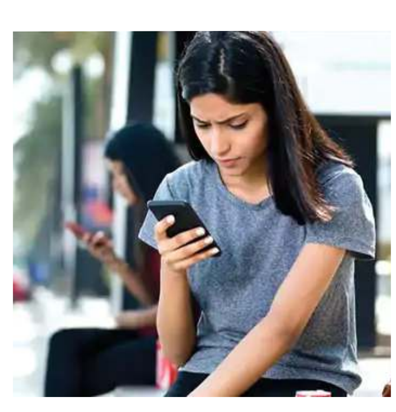

राष्ट्रीय मानसिक जांच एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 73% बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। इनमें से 30% मानसिक बीमारी से पीड़ित हैं। 10 में से 3 बच्चे डिप्रेशन, डर, चिंता और चिड़चिड़ेपन से परेशान हैं। U K में नेचर कम्युनिकेशन की एक स्टडी में पाया गया कि सोशल मीडिया इस्तेमाल से किशोरों के दिमाग, हॉर्मोन और व्यवहार पर असर पड़ता है।

किशोरों को पेरेंट्स के दौर का संगीत पसंद

डॉ. यॉर्क कहते हैं कि स्कूल-कॉलेजों में 1990 के दशक का फैशन लौट रहा है। किशोरों में पिछली पीढ़ी की पसंद की तमाम चीजों की चाह बढ़ी है, फिर चाहे उनके कपड़ें हों, संगीत या उनकी सोशल मीडिया की पसंद और आदतें। युवा उस तरह के कपड़े पहनना चाहते हैं, जो उनके माता-पिता पहनते रहे हैं। वे उसी तरह का संगीत सुनना चाहते हैं। जनरेशन जेड एक साथ कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं।

आत्महत्या रोकथाम दिवस: 'आंसू छिपाना' मर्दानगी नहीं, भावनाओं को व्यक्त करना सीखे हर पुरुष

इस दौर की कुछ चीजें मुझे आंतरिक रूप से बहुत परेशान करती हैं, जैसे पैसे देकर पानी खरीदना, ऑक्सीजन के कारण मौत के मामले सुनना या खबरों में इसका जिक्र करना, तलाक के मामलों का बढ़ना और आत्महत्या रोकथाम की जागरूकता के लिए एक खास दिन बनाने की जरूरत। ये सब सहज इंसानी/पर्यावरणीय प्रकृति के खिलाफ की चीजें हैं, इसका मतलब यह है कि विधाता ने जीवन के उपहार के साथ हमें जो सुविधाएं या अधिकार दिए उनमें हमने जरूर कोई गंभीर उथल-पुथल मचाई है।

10 नवंबर को हर साल वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे आत्महत्या के मामलों की रोकथाम के लिए विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। हाल ही में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि साल 2021 में देश में अब तक सबसे अधिक आत्महत्या के मामले दर्ज किए गए। इस साल 1.64 लाख लोगों ने आत्महत्या की थी, यह डेटा पिछले साल 2020 की तुलना में 7.2 फीसदी अधिक था। इस डेटा में एक बिंदु ने मेरा ध्यान खासा आकर्षित किया-

आंकड़े बताते हैं, कि साल दर साल पुरुषों में आत्महत्या की टेंडेंसी बढ़ती जा रही है। साल 2019 में 97613 पुरुषों जबकि 41493 महिलाओं ने आत्महत्या की। पुरुषों में बढ़ते आत्महत्या के मामले सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं हैं, वैश्विक स्तर पर आंकड़े देखें तो वहां से भी समझ आता है कि पुरुष अधिक आत्महत्या कर रहे हैं।

आखिर क्यों? यह सवाल मुझे लगातार परेशान करता रहा। ऐसी क्या परिस्थियां होती हैं जो बाहर से एकदम 'सख्त और निडर' दिखने वाले पुरुष को अंदर से इतना तोड़ देती हैं, ऐसा कि उसके लिए जीवन को खत्म करना ही एक विकल्प बचता है। मैं बार-बार यही लाइन लिखता-सोचता रहा, आखिर इसका एक कारण मुझे इसी लाइन में मिल गया वह था- सख्त और निडर रूप का मुखौटा।

असल में हमारे समाज ने पुरुषों को लेकर एक रूढ़िवादी सोच बना ली है कि पुरुष हमेशा निर्भीक, शक्तिशाली, हृष्ट-पुष्ट, निडर और अडिग ही होना चाहिए। जो किसी कारणवश इस पैरामीटर में फिट नहीं बैठता उसे कई तरह की बातें सुनने को मिलती हैं। उदाहरण के लिए हमारे समाज की एक सोच रही है- भले ही कितनी कठिन परिस्थियां आ जाएं, पुरुष को रोना नहीं चाहिए। किसी के आंसू निकल जाएं तो उसका मजाक बनाया जाता है, देखो कैसे लड़कियों की तरह रो रहा है, अरे मर्द बन मर्द। फिल्मों ने भी इस रूढ़िवादिता को खूब ग्लोरीफाई किया- लिहाजा, आलम यह है कि हम पुरुष रोना भी चाहें तो भी नहीं रो सकते, क्योंकि उस समय हमें 'कमजोर' मान लिया जाएगा।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

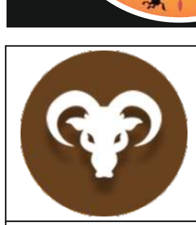
मेष : आपके लिए यह सप्ताह धन के मामले में अच्छा रहेगा। अपनी चतुराई के बल पर अच्छा धन अर्जित करने में कामयाब होंगे। परिवार के साथ सामंजस्य कायम होगा। निवेश से लाभ प्राप्त होगा, लेकिन ध्यान रहे इस सप्ताह के दौरान कोई नया निवेश करने से बचें। आय के नए स्रोत तलाशने का प्रयास करें।

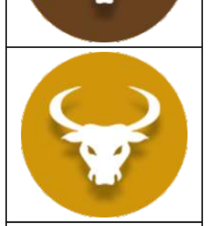
वृषभ : इस सप्ताह अपने स्वास्थ्य को प्रायोरिटी पर रखें। लापरवाही भारी पड़ सकती है। इस सप्ताह बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखन, साहित्य या किसी रचनात्मक कार्य से जुड़े लोगों को कोई बेहतर अवसर मिल सकता है। व्यापारियों को लाभ के अवसर मिलेंगे। बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए इनोवेटिव तरीके सोचना होंगे।

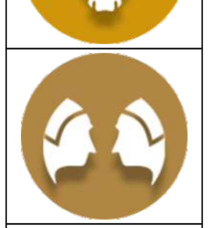
मिथुन : सप्ताह खर्चीला होगा। व्यर्थ के कार्यो पर समय और धन खर्च होगा। व्यापारी बंधुओं को अपने कार्य पर फोकस करते हुए आगे बढ़ना है। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। पैसों की बचत करने का प्रयास करें ताकिभविष्य में यह आपके काम आ सके। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां सामने आ सकती है।

कर्क : सप्ताह में काम अटकेंगे। व्यापारियों को कार्य विस्तार का प्लान बनाने की जरूरत है और नौकरीपेशा लोगों को आर्थिक लाभ होने की संभावना अभी क्षीण है। विद्यार्थियों के लिए यह सप्ताह ठहराव वाला है। मानसिक रूप से आप थोड़ा परेशान रहेंगे। किसी काम के पूरा नहीं होने से मन अशांत रहेगा। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है।

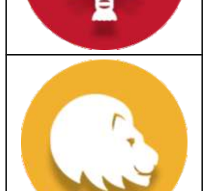
सिंह : पारिवारिक मेलजोल होगा। साथ ही खर्च भी होगा। विद्यार्थी वर्ग को फोकस अपने कॅरियर पर रखना होगा। नौकरीपेशा के वर्तमान कार्य में बदलाव आने की संभावना है। नौकरीपेशा कार्यभार की अधिकता के कारण शारीरिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं। परिवार में संबंध अच्छे रहेंगे। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे।

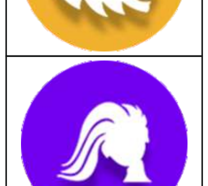
कन्या : सप्ताह आपके लिए भाग्योदयकारक है। आप जो भी कार्य कर रहे हैं उसमें तरक्की मिलने की संभावना है। परिवार में सामंजस्य रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। खर्च में कमी आएगी। इस सप्ताह कोई बहुत पुराना अटका हुआ काम हो जाने से मन में प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरशिप में कोई काम करने की रूपरेखा बनेगी।

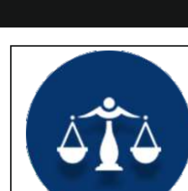
तुला : तुला राशि को इस सप्ताह किसी दुर्घटना आदि की आशंका है। आर्थिक मामलों में सजग रहने की जरूरत है। व्यापार व्यवसाय में अप-डाउन होगा। नौकरीपेशा लोगों पर भी नौकरी का संकट आ सकता है। पैसों की कमी महसूस होगी और बीमारियों पर खर्च होने की आशंका है। स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक : इस सप्ताह वैवाहिक, दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। यदि पार्टनरशिप में आपका कोई बिजनेस चल रहा है तो उसमें आप अधिक सफलता अर्जित करेंगे। शारीरिक रूप से अस्वस्थ हो सकते हैं। चेस्ट संबंधी रोग, हृदय रोग, डायबिटीज के रोगी विशेष सावधानी रखें। अनावश्यक भागदौड़ वाले काम इस सप्ताह ना करें।

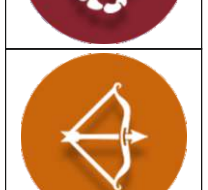
धनु : आपके लिए कार्यक्षेत्र में चुनौतियां बढ़ने वाली है। चाहे आप बिजनेस कर रहे हैं या नौकरी, हर तरह का संकट आप पर बना हुआ है। मानसिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। ऐसे में स्वास्थ्य बिगड़ने का खतरा है। इस सप्ताह पैसों को अनावश्यक खर्च करने से बचें। नए कार्य-व्यवसाय, नौकरी की कार्ययोजना बनेगी।

मकर : यह सप्ताह आपको मानसिक परेशानियों के साथ अनेक प्रकार की परेशानियां भी दे सकता है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए वक्त चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इन्हीं चुनौतियों से निकलने का रास्ता आपके नवाचार में छुपा है। नौकरीपेशा लोगों को भागदौड़ और कार्य की अधिकता रहेगी।

कुंभ : कुंभ राशि के लिए सप्ताह चुनौतीपूर्ण है। आपको भौतिक सुख सुविधाएं तो प्राप्त होंगी, लेकिन भविष्य में इन्हें बरकरार रखने और इनमें वृद्धि करने के लिए मेहनत करना होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई मानसिक रोग परेशान कर सकता है।

मीन : यह सप्ताह पारिवारिक मेलजोल वाला रहेगा। भाई-बहन, रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। इस सप्ताह अपने भविष्य से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे और आपके द्वारा लिए गए निर्णय भविष्य में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। बिजनेस में विस्तार फिलहाल नहीं हो पाएगा। नौकरीपेशा संकटपूर्ण स्थिति में हैं।

बंटी: तुम चाय पीने के लिए किस हद तक जा सकते हो?
रॉनी: एक बार तो लड़की तक देखने चला गया था।

राजू: शादीशुदा लड़की और शादीशुदा लड़के में क्या अंतर है?
पप्पू: मंगलसूत्र लटका हो तो लड़की शादीशुदा, मुंह लटका हो तो लड़का शादीशुदा।

नौकर: शरबत बनाने के लिए नींबू नहीं है, क्या करूं?
मैडम: अरे क्या दिक्कत है, न्यू विम बार में 100 नींबुओं की शक्ति है, डाल दे दो बूंद।

गणपति बप्पा के दर्शन करने पहुंचे पत्रकार व समाजसेवी दिलशाद एस. खान

दिलशाद एस. खान ने उषा प्रवीण गांधी कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स जूहु के बच्चों को किया मोटिवेट

मुंबई। वरिष्ठ पत्रकार, समाजसेवी व दै. मुंबई हलचल समाचार पत्र के संपादक दिलशाद एस. खान उषा प्रवीण गांधी कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स जूहु के रोटारैक्ट क्लब द्वारा स्थापित ई-गणेश प्रतिमा के दर्शन करने पहुंचे। आपको बता दें कि दिलशाद एस. खान भाईचारे की एक मिसाल हैं, उन्होंने कहा मैं हर साल अपने दोस्तों के घरों पर विराजमान गणेश जी की प्रतिमा का दर्शन करने जरूर जाता हूं, साथ इस दौरान दिलशाद एस.खान के साथ शाहबाज खान भी गणपति बप्पा का दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान दिलशाद एस. खान ने वहां पर मौजूद कॉलेज के बच्चों को मोटिवेट भी किया, उन्होंने कहा कि आप सभी देश के आने वाले भविष्य हैं आप सब नशे से दूर रहें, आपको आपके परिवार वाले इतने अच्छे कॉलेज में पढ़ाते हैं, तो आप सभी को सिर्फ अपने कैरियर पर ध्यान देना चाहिए। साथ दिलशाद एस. खान ने कहा कि जिस जगह आज मैं चीफ गेस्ट बन कर आया हूं कल मेरी जगह पर आप भी आ सकते हैं, इसलिए मैं आप सभी बच्चों से इतना ही कहूंगा कि नशे से दूर हैं और अपने भविष्य की बारे में सोंचे। बता दें कि इको-फ्रेंडली गणेश श्री विले पार्ले कलावानी मंडल उषा प्रवीण गांधी कॉलेज आॅफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स के रोटारैक्ट क्लब का प्रमुख कार्यक्रम है। महाविद्यालय में आयोजित इस महोत्सव का यह आठवां वर्ष है। प्रत्येक भारतीय त्योहारों के मौसम की प्रतीक्षा करता है, इसी तरह आरसीयूपीजी का प्रत्येक रोटारैक्टर आरसीयूपीजी के प्रमुख कार्यक्रम ई-गणेश की प्रतीक्षा करता है। ई-गणेश पिछले 7 वर्षों से मनाया जा रहा है, लेकिन 2022 में इसमें एक विशेष और आकर्षक चिंगारी है क्योंकि कोविड के बाद, लोग वास्तव में आ सकते हैं और पूरे मन से इसका आनंद ले सकते हैं। पूर्व रचनात्मक कार्य आयोजन से लगभग एक महीने पहले समर्पण के साथ सुचारू रूप से चलता है। इस वर्ष ई-गणेश का पहला दिन 31 अगस्त 2022 से शुरू हुआ। ई-गणेश का सबसे अच्छा हिस्सा संकाय और अन्य अधिकारियों की समावेशी और सामूहिक भागीदारी है। ई-गणेश सबसे अधिक होने वाली घटनाओं में से एक है क्योंकि यह यूपीजी कॉलेज की लगभग 15+ समितियों को एक मंच प्रदान करता है ताकि वे विभिन्न प्रकार के आयोजनों में सहयोग और संचालन कर सकें, जिसमें शानदार प्रदर्शन, शानदार खेल, समूह नृत्य और अन्य आकर्षक गतिविधियाँ शामिल हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पर्व अनेकता में एकता जैसे मूल्यों को जगाता है। आरसीयूपीजी की इस तरह की पहल साबित करती है कि यह कॉलेज के छात्रों और संकायों के सामाजिक बंधन को देखती है। 11 दिनों तक चलने वाले इतने लंबे समय तक चलने वाले आयोजन के प्रमुख होने के नाते, आरसीयूपीजी ई-गणेश को बहुत व्यापक और बड़े पैमाने पर रखता है। हमारे कॉलेज के अधिकारियों के समर्थन और हमारी प्रिंसिपल डॉ अंजू कपूर के मार्गदर्शन और प्रेरणा के बिना यह आयोजन इतना सफल नहीं हो सकता था।

वीर सावरकर की वीरगाथा व आजादी के अमृत महोत्सव की थीम पर सार्वजनिक गणपती मंडल की झांकी

सामाजिक विषयों को अद्भुत ढंग से दशार्ता 'स्वप्नाक्षय मित्र मंडल' का गणेशोत्सव

मुंबई :स्वप्नाक्षय मित्र मंडल द्वारा 42वें वर्ष 'सार्वजनिक गणेशोत्सव मॉडल टाउन' का आयोजन सात बंगला, मॉडल टाऊन रोड, अंधेरी (वेस्ट),मुंबई में किया गया है,जो दस दिनों का है। इसके प्रमुख मार्गदर्शक व शिवसेना के वर्सोवा विधानसभा के समन्वयक देवेन्द्र (बाळा) आंबेरकर, अध्यक्ष राजेश ढेरे सलाहकार संजीव कल्ले (बिल्लू) व प्रशांत काशिद तथा महासचिव अशोक मोरे है।इस बार वीर सावरकर की वीरगाथा व आजादी के अमृत महोत्सव की थीम पर आयोजित किया गया,जोकि लोंगो को बहुत आकर्षित कर रहा है। देवेन्द्र (बाळा) आंबेरकर व राजेश ढेरे ने कहा,"हमलोग हमेशा सामाजिक विषय पर कार्यक्रम आयोजित करते है।इस बार विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर को और आजादी के अमृत महोत्सव को ध्यान में रखकर इसे आयोजित किया है।

इसके अलावा आजादी के लिए लड़े व बलिदान दिए महात्मा गाँधी, बाबासाहेब आंबेडकर,भगत सिंह इत्यादि के बारे में भी जानकारी कागज के बने मॉडल और कारीगिरी के जरिये लोगों को बताने की कोशिश किया है।"
मंडल के सलाहकार प्रशांत काशिद ने कहा," हमने सामाजिक विषय जैसे नारी उत्थान,संत गाडगे महाराज के स्वक्छता अभियान,आधारकार्ड, वोटर कार्ड, रक्तदान इत्यादि उपक्रम हमने पूरे वर्ष भर मंडल के माध्यम से चलाकर जनता में जागरूकता लाने की कोशिश करते है।"

आशिकी फेम राहुल रॉय के साथ मिलकर राजेश कुमार वीरा बनाएंगे फिल्म 'प्यार हो गया

संतोष साहू, मुम्बई।
54 वर्षीय अभिनेता राहुल रॉय आज भी अपने सिग्नेचर हेयरस्टाइल के साथ फिट और आकर्षक लगते हैं। 90 के दशक में उनकी सुपरहिट फिल्म 'आशिकी' के गीत आज भी युवाओं और सभी उम्र के लोगों के दिलों की धड़कन है। उन्होंने अपनी फिल्म प्रोडक्शन कंपनी राहुल रॉय प्रोडक्शन के अंतर्गत बनने वाली हिन्दी फिल्म 'प्यार हो गया' की घोषणा करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में पधारे फिल्म के मुख्य कलाकार जान खान, आलिया हमीदी व स्नेहा नामानंदी के साथ साथ फिल्म के सभी सह कलाकारों रितु शिवपुरी, जरीना वहाब, मुस्ताक खान और गोविंद नामदेव का स्वागत किया जो फिल्म 'प्यार हो गया' में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।प्रेस कॉन्फ्रेंस में कॉमेडियन सुनील पाल ने स्टैंड-अप कॉमेडी कर सबका दिल जीत लिया।ब्रिटिश मूल के अनुभवी भारतीय रंगकर्मी व अभिनय गुरु बैरी जॉन के मार्गदर्शन में प्रशिक्षित जियाउल्लाह खान इस फिल्म का निर्देशन करेंगे, जिन्होंने रघुवीर यादव, सीताराम पांचाल, त्रिथा मुंबाड़कार अभिनीत फिल्म 'पाकाउ' व स्वर्गीय नरेंद्र झा अभिनीत फिल्म 'विराम' का भी निर्देशन किया है। 'विराम' ने इस्तांबुल फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म सहित कई अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। इनके निर्देशन में कई म्यूजिक वीडियो भी रिलीज हुई हैं जिनमें सिंगर यासीर देसाई, तनुष्का भट्ट, पलक मुच्छल, अवंती नागराल ने गाया है। इन्होंने शारिब हाशमी, अनन्या सेन गुप्ता, अर्शी खान और नसीर अब्दुल्लाह अभिनीत उल्लू प्राइम के लिए वेब सीरीज़ 'डेविल इनसाइड' भी की है। जियाउल्लाह खान बहुत सारे उत्पादों के विज्ञापन भी निर्देशित किये हैं। निर्देशक जियाउल्लाह खान कहते हैं मैं इस प्रोजेक्ट में राहुल रॉय के साथ शूटिंग शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि वे एक्टिंग के साथ साथ इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। मेरी हार्दिक इच्छा है कि दर्शक हमें भी आशिकी की तरह अपने प्यार व आशीर्वाद देंगे और इस फिल्म को सफल बनाएंगे। इस फिल्म के मूल रचनाकार हैं ऋषि आजाद जिन्होंने इस प्रेम कथा को बड़े ही संवेदनशीलता के साथ शब्दों में ढाला है।फिल्म का निर्माण राहुल रॉय और राजेश कुमार वीरा ने मैस्कॉट पिक्चर्स के बैनर तले करने का फैसला किया है। इस फिल्म के कार्यकारी निर्माता कासिम अंसारी हैं। फिल्म के संगीतकार हैं 'पार्टी तो बनती है' फेम पलाश मुच्छल। छायांकन की जिम्मेदारी दीपक पांडे के कंधों पर है तो इस फिल्म के स्ट्रीमिंग पार्टनर डीजईफलिक्स टीवी है।

14 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म 'मोदी जी की बेटी

मुम्बई। 14 अक्टूबर को रुपहले पर्दे पर निर्माता और लेखक अवनि मोदी की फिल्म 'मोदी जी की बेटी' रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में वह स्वयं मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। यह फिल्म वर्तमान समय की राजनीति के इर्दगिर्द ही है। अवनि के साथ इस फिल्म में जाने माने एड फिल्म डायरेक्टर एडी सिंह भी इस फिल्म के निर्माता हैं और निर्देशन भी उन्होंने किया है। वर्तमान समय में जहां अधिकांश फिल्में या तो रिमेक होती है या फिर बायोपिक या फिर पुराने कॉन्सेप्ट पर आधारित रहती है। ऐसी फिल्मों को देख देखकर दर्शक ऊब चुके हैं। अब उन्हें नवीन दृष्टिकोण या अलग सोच की कहानी पसंद आती है। ऐसे ही दृष्टिकोण और सोच वाली कहानी 'मोदी जी की बेटी' फिल्म को बाक़ी फिल्मों से अलग बनाती है।'मोदी जी की बेटी' फिल्म एक लड़की की कहानी है जो पाकिस्तान जाकर भारत को गौरवान्वित करती है। फिल्म हिंदुस्तान और पाकिस्तान के बीच के तनाव और सोच को दर्शाती है। भारत हमेशा ही पड़ोसी देश के दोगलेपन को बर्दाश्त करता आया है। अब वह समय आ गया है कि उसका सही प्रकार से जवाब दिया जाए ताकि वे दोबारा भारत से उलझने की हिम्मत ना करे। इस फिल्म की कहानी में गंभीरता के साथ-साथ ढेर सारी कॉमेडी भी है। फिल्म में अवनि मोदी कैसे पाकिस्तान पहुँच जाती है और वहां जाके कैसे पूरे पाकिस्तान पर भारी पड़ती है! यह दिखाया है। आतंकवाद और जिहाद जैसे जटिल मुद्दों को भी ध्यान में रखकर यह फिल्म बनायी गयी है। इसमें काफी सारे ट्विस्ट और टर्न है जो फिल्म को दिलचस्प मोड़ पर ले आते है।फ़िल्म के संवाद भी ऐसे है जो लोगों की ज़ुबान पर काफी वर्षों तक रहने वाले है। फिल्म का नाम 'मोदी जी की बेटी' क्यों है? यह भी बहुत जल्द दर्शकों के सामने आने वाला है। अवनि मोदी इससे पहले काफ़ी सारी तमिल और गुजराती भाषा की फिल्मों में अभिनय कर चुकी है। बॉलीवुड में उनकी डेब्यू फिल्म मधुर भंडारकर निर्देशित 'कैलेंडर गर्ल' थी जिसमें उनके काम को काफ़ी सराहना मिली है।इस फिल्म के निर्माता और निर्देशक एडी सिंह भी पहले काफ़ी एड फ़िल्म का निर्देशन कर चुके हैं और 'मोदी जी की बेटी' उनकी पहली फ़ीचर फिल्म है। फिल्म का निर्माण ए इ क्रियेटिव्स ने किया है और इसके प्रस्तुतकर्ता ब्रांडेक्ष इंडिया है। अवनि मोदी, एडी सिंह और अर्पित गर्ग फ़िल्म के निर्माता है। फिल्म की पटकथा, कहानी और संवाद अवनी मोदी ने लिखा है। फिल्म में अवनि के साथ फिल्म 'बेगम जान' तथा 'टोटल धमाल' फेम पितोबाश त्रिपाठी और सेक्रेड गेम्स, केसरी एवं टीवी सीरीयल 'सुमित सम्भाल लेगा' के एक्टर विक्रम कोचर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर मार्क डी म्यूज़, उज़ैर और संतोख सिंह है। फिल्म के गाने को रैपर पैरी जी, उज़ैर और संतोख सिंह ने गाया है। फिल्म की शूटिंग हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत वादियों में हुई है। फिल्म में नारी शक्ति की झलक के साथ देशभक्ति की भावना भी समाहित है।- गायत्री साहू

बड़ा कुछ होने वाला है बीरभूम में, सीबीआई ने डाला डेरा

कोलकाता : सीबीआई की टीम फिर से बीरभूम में डेरा डाल चुकी है। इससे अब अंदाजा लगाया जा रहा है कि जल्द ही कुछ बड़ा हो सकता है। इधर, गुरुवार को सीबीआई के अधिकारियों ने दो बैंक अधिकारियों से घंटों पूछताछ की।

इसके साथ ही कुछ और बैंकों के अधिकारियों को भी तलब किया गया है। इन्हें आज शुक्रवार को बुलाया गया है। इसके साथ ही अनुव्रत के आवास स्थित मां काली की मूर्ति पर चढ़ाये जाने वाले सोने के आभूषणों पर भी सीबीआई की नजर है। इस संबंध में स्थानीय ज्वेलर्स को बुलाकर पूछताछ की गयी है। इन सबको बोलपुर स्थित सीबीआई के अस्थाई कैंप में बुलाया गया था। सूत्र बताते हैं कि सुबह 10 बजे सीबीआई की टीम के समक्ष ये अधिकारी पेश हुए। इन बैंक अधिकारियों से पूछा गया कि अनुव्रत के करीबी लोगों के बैंक अकाउंटों में किसके रुपये हैं, इनका स्रोत क्या दिखाया गया है ?

उध्दव ठाकरे वाली शिवसेना के बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

मुंबई। एकनाथ शिंदे सहित 40 विधायकों के बगावत के बाद शिवसेना में नेताओं और पदाधिकारियों का सिलसिला लगातार शुरू है. इसी के तहत गुरुवार को उध्दव ठाकरे वाली शिवसेना के बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए.भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने सभी को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इसमें शिवसेना के आईटी सेल और गुजरात प्रदेश के सम्पर्क प्रमुख सोलंकी,के अलावा अमरावती जिला प्रमुख राजेश वानखेड़े ने अपने पांच हजार कार्यकर्ताओ के साथ भाजपा में प्रवेश किया। बावनकुले ने कहा कि आने वाले समय में शिवसेना और राकांपा के बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल होंगे।आने वाले विधानसभा चुनाव में दिखाई पड़ेगा साल 2024 लोकसभा और विधानसभा चुनाव में शिवसेना पक्ष प्रमुख उध्दव ठाकरे के साथ कुछ गिने चुने लोग रह जाएंगे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि शिवसेना सहित अन्य पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता से भाजपा को स्थानीय के साथ -साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा को जरूर फायदा मिलेगा। अकोला ग्रेजुएट मतदार संघ से भाजपा के उम्मीदवार होंगे रणजीत पाटील आगामी अकोला ग्रेजुएट मतदार संघ के होने वाले चुनाव के लिए एक बार फिर भाजपा ने पूर्व राज्य मंत्री रणजीत पाटिल को उम्मीदवार बनाया है.गुरुवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने इसकी घोषणा की.बावनकुले ने मीडिया को बताया की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अकोला स्नातक मतदार संघ के होने वाले चुनाव के लिए एक बार फिर रणजीत पाटिल पर भरोसा जताते हुए उन्हें उम्मीदवार घोषित किया है.

बिहार में एनआईए का छापा, पीएफआई टेरर मॉड्यूल मामले में की जा रही छानबीन

पटना, पीएफआई टेरर मॉड्यूल मामले में बिहार के कई शहरों में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की टीम छापेमारी करने पहुंची। एनआईए की अलग-अलग टीमें दरभंगा, अररिया, सारण, कटिहार, वैशाली और मुजफ्फरपुर जिले में गुरुवार सुबह से छापेमारी कर रही हैं। पटना के फुलवारीशरीफ में आतंकी ट्रेनिंग वैंâ प के भंडाफोड़ में नामजद आरोपियों के ठिकानों की तलाशी ली जा रही है। एनआईए के अधिकारी परवेज आलम, सनाउल्लाह, मुस्तकीम समेत अन्य संदिग्ध आतंकियों के परिजनों से पूछताछ कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार दरभंगा के सिंहवाड़ा थाने के शंकरपुर गांव में गुरुवार सुबह एनआईए की टीम पहुंची। इस गांव के सनाउल्लाह और मुस्तकीम के खिलाफ पटना के फुलवारीशरीफ थाने में एफआईआर दर्ज है। मुस्तकीम घर पर नहीं है, उसके परिजन से पूछताछ की जा रही है। दरभंगा के उर्दू मोहल्ले में भी नुरुद्दीन जंगी के घर पर पूछताछ की जा रही है। तीनों के घरों को चारों तरफ से घेर लिया गया है। किसी को अंदर जाने की इजाजत नहीं है।

नुरुद्दीन जंगी का मोबाइल जप्त

सारण जिले के रुदलपुर गांव में भी एनआईए की टीम पहुंची, यहां पीएफआई के सदस्य और सरकारी शिक्षक परवेज आलम के घर पर तलाशी ली जा रही है। एनआईए के साथ पुलिस की टीम भी मौजूद है। टेरर मॉड्यूल मामले में फुलवारीशरीफ थाने में दर्ज एफआईआर में परवेज आलम २६वां आरोपी है। एनआईए अधिकारियों ने परवेज आलम का मोबाइल और कुछ दस्तावेज जप्त किए हैं।

कटिहार से एक शख्स हिरासत में

एनआईए की टीम कटिहार के बरारी और हसनगंज में छापेमारी कर रही है। एसपी जितेंद्र कुमार ने इसकी पुष्टि की है। बरारी के कठोतिया से एक शख्स को हिरासत में लेने की खबर है। शरीफगंज में भी टीम ने छापेमारी की है। हसनगंज प्रखंड अंतर्गत रामपुर पंचायत के मोजफ्फर टोला गांव में पीएफआई के सदस्य महबूब नदवी के आवास पर तलाशी की जा रही है।

वैशाली में मोहम्मद रेयाज के घर छापा

इसके अलावा वैशाली जिले के चेहराकलां के ताल सेहान गांव में मोहम्मद रेयाज अहमद के यहां भी छापेमारी चल रही है। मुजफ्फरपुर के गौरिहर के एक गांव में भी छापेमारी की खबर है। अररिया जिले के जोकीहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत अरतिया गांव में इंजीनियर एहसान परवेज के घर एनआईए टीम जांच कर रही है।

मुंबई में ८ जगहों पर छापेमारी

राजनीतिक फंडिंग के मामले आयकर विभाग ने इस मामले में मुंबई में ८ ठिकानों पर छापेमारी की, जो लोग छोटी-छोटी राजनीतिक पार्टियों को डोनेशन दे कर उनसे वैâश लेते थे, उनके यहां छापेमारी चल रही है। यह दो हजार करोड़ रुपए के टैक्स चोरी का मामला है। इस मामले में ८७ छोटी-छोटी राजनीतिक पार्टिया पर पूरे देश में छापेमारी हुई है। दरअसल, चुनाव आयोग ने रजिस्ट्रड अनाधिकृत राजनीतिक पार्टियों की जानकारी आईटी विभाग को दी थी। इसमें ये राजनीतिक पार्टियां चार से पांच प्रतिशत कमीशन लेकर डोनेशन को वैâश में बदल देती थी। इस मामले में आईटी विभाग के रडार पर कुछ चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं। चुनाव आयोग ने जून में सीबीडीटी को पत्र लिखकर ऐसी ११ छोटी-छोटी राजनीतिक पार्टियों की सूची सौंपी थी। पत्र में इन राजनीतिक पार्टियों द्वारा फंडिंग में दुरुपयोग की शिकायत की गई थी।

स्वियातेक और जाबूर पहली बार अमेरिकी ओपन के फाइनल में

न्यूयॉर्क। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक और विंबलडन की उप विजेता ओन्स जाबूर ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके पहली बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। जाबूर ने गुरुवार की रात को अपनी सर्वश्रेष्ठ टेनिस का नजारा पेश किया तथा कारोलिन गर्सिया को आसानी से 6-1, 6-3 से शिकस्त देकर लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने जीत के बाद कहा, अब मैं वास्तविकता के अधिक करीब हूं। विंबलडन में मैं सपना जी रही थी और विश्वास नहीं कर पा रही थी कि मैं फाइनल में पहुंच गई हूं। जाबूर ने इस तरह से गर्सिया के 13 मैच के विजय अभियान पर रोक लगाई। ट्यूनीशिया की यह खिलाड़ी शनिवार को होने वाले फाइनल में स्वियातेक से भिड़ेगी जिन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद छठी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को 3-6, 6-1, 6-4 से हराया। स्वियातेक तीसरे सेट में भी पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने आखिरी चार गेम जीत कर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने आखिरी 20 पॉइंट में से 16 पॉइंट अपने नाम किए थे। स्वियातेक अमेरिकी ओपन में इससे पहले कभी चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी लेकिन पोलैंड की 21 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पर फ्रेंच ओपन के दो खिताब दर्ज हैं। पांचवीं वरीयता प्राप्त 28 वर्षीय जाबूर 1968 से शुरू हुए पेशेवर युग में अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी खिलाड़ी है।

स्पेन की मौजूदगी से विश्व कप में भारत का पूल कड़ा बन जाएगा : हॉकी कोच रीड

भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने शुक्रवार को कहा कि एफआईएच विश्व कप में भारत के पूल में स्पेन की मौजूदगी से लीग चरण ही चुनौतीपूर्ण बन गया है। विश्व में

पांचवें नंबर की भारतीय टीम को अगले साल 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्वकप में इंग्लैंड (विश्व में नंबर छह), स्पेन (विश्व में नंबर आठ) और वेल्स के साथ पूल डी में रखा गया है। भारत ने इस साल राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के अपने अभियान के दौरान इंग्लैंड को 4-4 से ड्रॉ पर रोका था जबकि वेल्स को 4-1 से हराया था। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार रीड ने कहा, एफआईएच हॉकी विश्व कप और ओलंपिक के पूल चरण के मैच हमेशा मुश्किल होते हैं। वहां प्रत्एक टीम जीत के लिए आती है। हमने हाल में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में इंग्लैंड और वेल्स का सामना किया था और यह मैच काफी कड़े रहे थे। उन्होंने कहा, इसके अलावा पिछले 12 महीनों में लगातार सुधार कर रहे स्पेन की मौजूदगी से पहले दौर के मैच काफी कड़े हो जाएंगे। रीड ने कहा, इंग्लैंड विश्व स्तरीय टीम है और अभी वह बहुत अच्छी हॉकी खेल रही है। लेकिन हम भी अच्छा खेल दिखा रहे हैं तथा विश्वकप में खेल के उस क्षण में बने रहना और खेल के प्रत्एक पहलू पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा।

नीरज चोपड़ा की कमर में चोट, राष्ट्रीय खेलों में भाग लेना मुश्किल

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के निर्देश के बावजूद चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र और कमर में चोट के कारण आगामी राष्ट्रीय खेलों में भाग लेना मुश्किल है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने गुरुवार को ज्यूरिख में प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल का खिताब जीत कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वह इस खिताब को जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके एक दिन बाद उनसे 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक गुजरात के विभिन्न शहरों में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के बारे में पूछा गया। चोपड़ा ने संवाददाताओं से कहा, राष्ट्रीय खेल करीब आ रहे हैं। मैं अभी कमर की चोट से उबर रहा हूं। मैं एक या दो सप्ताह तक प्रशिक्षण नहीं ले पाऊंगा। इसलिए मैं मुख्य रूप से अगले साल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। आईओए ने देश के शीर्ष एथलीटों के लिए खेलों में भाग लेना अनिवार्य कर दिया है, जिससे कई खिलाड़ियों को अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ सकता है। आईओए का निर्देश गृह मंत्री अमित शाह द्वारा खेलों के शुभंकर और राष्ट्रगान के लॉन्च के बाद आया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह अब तक के सबसे बड़े और भव्य राष्ट्रीय खेल होंगे। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन सात साल के लंबे अंतराल पर होगा। इस चोट के कारण चोपड़ा अमेरिका में हुए विश्व चैम्पियन में रजत पदक जीतने के बाद इस साल जुलाई-अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाए थे।

कोहली ने रोहित से कहा, आपने स्वाभाविक बने रहने की जो छूट दी उससे मैं सहज हो पाया

दुबई। विराट कोहली ने कप्तान रोहित शर्मा का उनके साथ किए गए संवाद के लिए आभार व्यक्त किया जिससे उन्हें सहज बने रहने और अपने मूल स्वरूप में लौटने में मदद मिली। कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप सुपर चार के मैच में अपने करियर का 71वां अंतरराष्ट्रीय शतक लगाकर तीन साल का इंतजार समाप्त किया। इसके बाद भारत के वर्तमान और पूर्व कप्तान के बीच बीसीसीआई.टीवी पर आपस में बातचीत हुई।

महिला क्रिकेट

हरमनप्रीत ने कहा, हमने राष्ट्रमंडल खेलों में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है

करीबी मैच जीतने के लिए बल्लेबाजी क्रम में संतुलन की जरूरत: हरनमप्रीत

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए करीबी मैच को अंजाम तक पहुंचाना हमेशा चिंता का विषय रहा है और कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि इस समस्या का समाधान बल्लेबाजी क्रम में सही संतुलन हासिल करना है। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में आस्ट्रेलिया के 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत एक समय दो विकेट पर 118 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में था लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी क्रम ढह गया और पूरी टीम 19.3 ओवर में 152 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले पहले टी20 मैच की पूर्व संध्या पर हरमनप्रीत ने कहा, हम इस पर काम कर रहे हैं। मुझे पता है कि

ए चीजें हमें लंबे समय से परेशान कर रही हैं। हमें थोड़ा धैर्य दिखाने की जरूरत है और थोड़े समय के बाद हमें परिणाम भी मिलने शुरू हो जाएंगे। उन्होंने कहा, इसलिए इस बार हमने टीम में दो और बल्लेबाजों डायलन हेमलता और केपी नवगिरे को शामिल किया है जो हमारे लिए मैच को अंजाम तक पहुंचा सकती हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है और काफी रन बनाए हैं। हरमनप्रीत ने कहा, हमें निचले क्रम में संतुलन रखने की जरूरत है, जब संतुलन होता है तो चीजें आसान हो जाती हैं। भारतीय कप्तान का मानना है कि भारतीय टीम को बल्लेबाजी के दृष्टिकोण में लचीला होने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब बल्लेबाजी की बात आती है तो हमें थोड़ा लचीला होने की जरूरत है क्योंकि कभी-कभी आपको यह देखना होता है कि कौन गेंदबाजी कर रहा है और किसका प्रदर्शन उसके खिलाफ बेहतर है और कौन हमारे लिए रन बना सकता है। बल्लेबाजी के लिहाज से हम काफी लचीले रहेंगे। हम मैच की परिस्थितियों के हिसाब से फैसला लेंगे। दाएं हाथ की यह बल्लेबाज इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे को एक नई शुरुआत के रूप में देखती है। भारत ने बर्मिंघम में रजत पदक जीतने के प्रयास के दौरान फाइनल तक के अपने सफर में इंग्लैंड को हराया था। हरमनप्रीत ने कहा, हमने राष्ट्रमंडल खेलों में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन अब यह हमारे लिए एक नई शुरुआत है। इंग्लैंड ने हमेशा हमारे खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। हमारे लिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण होगा। (लेकिन) राष्ट्रमंडल खेलों ने हमें काफी आत्मविश्वास दिया है। भारत को दो सप्ताह के सीमित ओवरों के मुकाबलों के दौरे पर इंग्लैंड में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। टी20 मैच होव (10 सितंबर), डर्बी (13 सितंबर) और ब्रिस्टल (15 सितंबर) में होंगे जबकि एकदिवसीय होव (18 सितंबर), कैनटरबरी (21 सितंबर) और लॉर्ड्स (24 सितंबर) में होंगे। इंग्लैंड की टीम नैट स्किवर के बिना उतरेगी जो अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए श्रृंखला से हट गई हैं।

एशिया कप

मेरी तकनीक वही है, लेकिन मेरे दिमाग में क्या चल रहा है यह समझा नहीं पाया : कोहली

दुबई। विराट कोहली ने पिछले तीन वर्षों में स्वयं को काफी बदला है और इसकी बानगी तब देखने को मिली जब उन्होंने अपना बहुप्रतीक्षित 71वां अंतरराष्ट्रीय शतक जमाने के बाद मुस्कान बिखेरी और शादी की अपनी अंगूठी को चूमा। कोहली को अपने अंतरराष्ट्रीय शतक के लिए 1020 दिन तक इंतजार करना पड़ा। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए भी यह बहुत लंबा इंतजार था। एक बार जब उन्होंने यह इंतजार समाप्त किया तो राहत की सांस ली। उन्होंने पहले की तरह जोश में इसका जश्न नहीं मनाया। अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच में शतक जड़ने के बाद कोहली ने मुस्कुराते हुए कहा, पिछले ढाई साल ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मैं एक महीने में 34 साल का हो जाऊंगा और गुस्से में जश्न मनाना अब अतीत की बात हो चुकी है। कोहली ने गुरुवार को 61 गेंदों पर नाबाद 122 रन बनाए जो टी20 क्रिकेट में उनका पहला शतक है। इससे भारत ने अफगानिस्तान को 101 रन के बड़े अंतर से पराजित किया। कोहली ने एशिया कप से पहले एक महीने का लंबा विश्राम लिया था और तब उन्होंने पाया कि उनकी तकनीक में कोई गड़बड़ी नहीं है।

पूर्वी लद्दाख के गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र में शांति की स्थिति

पीपी 15 से चीनी एवं भारतीय सैनिकों की वापसी की पुष्टि

चीनी सेना ने शुक्रवार को पुष्टि की कि पूर्वी लद्दाख के गोगरा-हॉटसप्रिंग्स क्षेत्र में पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 से चीन और भारत के सैनिकों की समन्वित एवं नियोजित तरीके से वापसी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूर्वी लद्दाख में दो साल से अधिक समय से जारी गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में अहम कदम आगे बढ़ाते हुए भारतीय एवं चीनी सेनाओं ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उन्होंने गोगरा-हॉटसप्रिंग्स क्षेत्र के पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 से बलों की वापसी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारत लगातार कहता रहा है कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास शांति बनाए रखना महत्वपूर्ण है। गतिरोध को हल करने के लिए दोनों सेनाओं ने कोर कमांडर स्तर की 16 दौर की बातचीत की। चीनी रक्षा मंत्रालय की शुक्रवार को यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, चीन-भारत कोर कमांडर स्तर की बैठक के 16वें दौर में बनी सहमति के अनुसार,

आठ सितंबर, 2022 को जियानन डाबन क्षेत्र से चीनी और भारतीय बलों ने समन्वित और नियोजित तरीके से पीछे हटना शुरू कर दिया है, जो सीमावर्ती इलाकों में शांति के लिए अच्छा है।

यहां भारतीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि चीनी सेना की प्रेस विज्ञप्ति में जिस जियानन डाबन क्षेत्र का जिक्र किया गया है, वह गोगरा-हॉटसप्रिंग्स इलाके का वही पेट्रोलिंग प्वाइंट-15 है, जिसका बृहस्पतिवार को भारतीय प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया था। यह एक संयुक्त बयान है, लेकिन दोनों पक्षों ने इलाके का उल्लेख विभिन्न नाम से किया है। दिल्ली में पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) द्वारा बृहस्पतिवार रात को जारी संयुक्त बयान में कहा गया था, भारत-चीन के बीच 16वें दौर की कोर कमांडर स्तर की बैठक में बनी सहमति के अनुसार, आठ सितंबर 2022 को गोगरा-हॉटसप्रिंग्स (पीपी-15) क्षेत्र से भारतीय और चीनी सैनिकों ने समन्वित एवं नियोजित तरीके से पीछे हटना शुरू कर दिया है, जो सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता के लिए अच्छा है। उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से लगभग एक सप्ताह पहले सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया की घोषणा की गई है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग शामिल होंगे। ऐसी अटकलें हैं कि दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक हो सकती है। हालांकि, इसे लेकर किसी पक्ष ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। दोनों सेनाओं ने एक संयुक्त बयान में कहा कि पीछे हटने की प्रक्रिया की शुरुआत जुलाई में हुई 16वें दौर की उच्चस्तरीय सैन्य वार्ता का परिणाम है।आधिकारिक सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 (पीपी-15) से सैनिकों की वापसी बृहस्पतिवार सुबह शुरू हुई और दोनों पक्षों के स्थानीय कमांडर आगामी कदमों के तौर-तरीकों पर काम कर रहे हैं।सोलहवें दौर की कोर कमांडर-स्तर की वार्ता के बाद, दोनों पक्षों के जमीनी कमांडर ने पीछे हटने की प्रक्रिया की बारीकियों पर सिलसिलेवार बात की। सूत्रों ने कहा कि भारत देपसांग और डेमचोक के टकराव वाले शेष बिंदु क्षेत्रों में लंबित मुद्दों के समाधान के लिए दबाव बनाए रखेगा।कई दौर की सैन्य और राजनयिक वार्ता के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने पिछले साल पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण तट क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की थी।

महारानी के अंतिम संस्कार के सात दिन बाद तक शाही परिवार में रहेगा शोक

ब्रिटेन के शाही परिवार के आधिकारिक निवास बकिंघम पैलेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के सात दिन बाद तक शाही परिवार शोक मनाएगा। ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का 70 साल तक शासन करने के बाद बृहस्पतिवार को स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में निधन हो गया। वह 96 वर्ष की थीं। महारानी के अंतिम संस्कार की तारीख अभी तक निर्धारित नहीं हुई है। बकिंघम पैलेस ने एक बयान में कहा, महारानी के निधन के बाद राजा की इच्छा है कि शाही शोक की अवधि महारानी के अंतिम संस्कार के सात दिन बाद तक रहेगी। उपयुक्त दिन की पुष्टि बकिंघम पैलेस द्वारा की जाएगी। शुक्रवार को सेंट पॉल कैथेड्रल में महारानी की याद में प्रार्थना सभा आयोजित होगी, जिसमें प्रधानमंत्री लिज ट्रस और अन्य वरिष्ठ मंत्री शामिल होंगे। चूंकि स्कॉटलैंड में महारानी का निधन हुआ, इसलिए उनका ताबूत एडिनबर्ग में सेंट जाइल्स कैथेड्रल में रखा रहेगा। जनता को कुछ दिनों के बाद ताबूत देखने की अनुमति दी जा सकती है। इसके बाद ताबूत को लंदन ले जाया जाएगा, जहां लोगों को वेस्टमिंस्टर हॉल में चार दिनों की अवधि में श्रद्धांजलि की इजाजत होगी। राजा चार्ल्स शुक्रवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री ट्रस के साथ अपना पहला संबोधन देंगे, जिसके बाद एक संयुक्त संसद सत्र महारानी को श्रद्धांजलि अर्पित करेगा।

फिल्म में मिलेगा रोल पहले उतारो अपना टॉप

निर्माताओं के साथ सोने का ऑफर ठुकरा चुकी हैं ये अभिनेत्रियां

बॉलीवुड की माया नगरी में कितने काले सच है इसकी अगर परते खोली जाने लगे तो न जाने कितने राज बाहर आएंगे जिसे सुनकर लोगों के होश उड़ जाएंगे।

इन्हीं सच में से एक हैं कास्टिंग काउच, जहां टीवी या फिल्म के रोल के लिए एक्टर्स को सेक्सअल रिलेशन बनाने पर मजबूर किया जाता है। कलाकार में काबिलियत है या नहीं है इसे कई बार अनदेखा कर दिया जाता है। हम आपको आज बताने जा रहे हैं उन एक्ट्रेस के बारे में जिन्हें बॉलीवुड में आज उनके नाम से ही जाना जाता है

कंगना रनौत

कास्टिंग काउच का खतरा बॉलीवुड से लंबे समय से जुड़ा हुआ है। कास्टिंग काउच जैसी हरकतों के कारण बॉलीवुड को कई बार गंदा दलदल जैसा नाम भी दिया जाता है। कई एक्ट्रेस को फिल्म में रोल के लिए कास्टिंग काउच का ऑफर किया गया इस एक्ट्रेस में से एक कंगना रनौत भी हैं। उन्होंने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए एक इंटरव्यू में बताया था कि वह कास्टिंग काउच का शिकार हो चुकी हैं। टाइम्स नाउ को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने यह भी कहा था, एक लड़की से यह अपेक्षा होती है कि वह सेट पर पत्नी की तरह व्यवहार करे, अगली फिल्म आती है, अगला हीरो आता है।

सनी लियोन

ऐसी खबरें थीं कि सनी लियोन को एक भूमिका के बदले एक निर्माता के साथ सोने के लिए भी कहा गया था। लेकिन सनी लियोन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। दिवा ने अपनी प्रतिभा के दम पर इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया है।

सुरवीन चावला

पार्चड अभिनेत्री सुरवीन चावला ने कास्टिंग काउच का सामना करने के बारे में भी बात की थी। पिंकविला के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने खुलासा किया था कि एक फिल्म निर्माता उसे बेहतर जानने के बहाने उसके साथ समय बिताना चाहता था। सुरवीन ने खुलासा किया था कि वह आपके शरीर के हर इंच को जानना चाहता था। उसने साझा किया कि उसे दक्षिण फिल्म उद्योग में कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा।

ममता कुलकर्णी

ममता कुलकर्णी ने एक बार राजकुमार संतोषी पर यौन दुराचार का आरोप लगाया था। इस बात की जानकारी ममता कुलकर्णी के एक जानकार ने दी थी। रिश्तेदार था जिसने खुलासा किया था कि उसने समझौता करने से इनकार कर दिया और इसलिए उसका स्क्रीन टाइम चाइना गेट में कम हो गया।

ईशा गुप्ता

एक इंटरव्यू में ईशा गुप्ता ने खुलासा किया था कि उन्होंने बॉलीवुड का एक बहुत ही बदसूरत पक्ष देखा था जब उन्हें दो बार कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। उन्होंने खुलासा किया था कि इस तरह की किसी भी घटना से बचने के लिए वह अपने माता-पिता को बाहरी शूटिंग पर कैसे ले जाती थी।

पायल रोहतगी

पायल रोहतगी ने एक बार दावा किया था कि फिल्म निर्देशक और डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी उनके घर आये थे और उन्होंने एक्ट्रेस से कहा था कि वह अपना टॉप उतारे।

दिबाकर ने तब अभिनेत्री द्वारा लगाए गए यौन प्रगति के सभी आरोपों का खंडन किया था।

एक या दो नहीं आने वाली हैं अक्षय कुमार की छह फिल्में

अक्षय कुमार हिंदी फिल्म उद्योग के शीर्ष सबसे महंगे एक्टर्स में से एक हैं। कोरोना महामारी के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म सूर्यवंशी देने के बाद अक्षय कुमार ने एक-के-बाद-एक फ्लॉप की झड़ी लगा दी। रक्षा बंधन, सम्राट पृथ्वीराज और बच्चन पांडे के रूप में लगातार तीन फ्लॉप देने के बाद अक्षय कुमार मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने दर्शकों का मनोरंजन करना नहीं छोड़ा। वह जल्द ही अपनी फिल्म राम सेतु के जरिए एक बार फिर दर्शकों से रूबरू होने वाले हैं। इसके अलावा भी खिलाड़ी कुमार की कई फिल्में कतार में हैं।

राम सेतु

अक्षय कुमार, अपनी फिल्म कठपुतली की रिलीज के 42 दिन बाद फिरसे दर्शकों का मनोरंजन करने आने वाले हैं। जी हां, वह 24 अक्टूबर को अपनी एक्शन-एडवेंचर ड्रामा फिल्म राम सेतु लेकर आने वाले हैं। बता दें कि अक्षय कुमार इस फिल्म में, रामायण में वर्णित राम सेतु की उत्पत्ति का पता लगाने वाले एक पुरातत्वविद् की भूमिका निभाते हुए नजर आने वाले हैं।

सेल्फी

सेल्फी, एक आगामी बॉलीवुड कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन राज मेहता द्वारा किया जा रहा है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म को करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में अक्षय कुमार, इमरान हाशमी, नुसरत भारूचा और डायना पेंटी हैं। इसके अतिरिक्त, फिल्म मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंसफ़ की आधिकारिक रीमेक है, जो साल 2023 में रिलीज होगी।

ओएमजी 2

ओएमजी 2 - ओ माय गॉड! 2 एक व्यंग्यात्मक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो 2012 की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म का आध्यात्मिक सीक्वल है। इसमें अरुण गोविल, यामी गौतम, पंकज त्रिपाठी और अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म भारतीय शिक्षा प्रणाली की थीम के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी। फिल्म में अक्षय कुमार भगवान शिव का किरदार निभाते दिखाई देंगे।

गोरखा

गोरखा, एक बायोग्राफिकल फिल्म है, जिसका निर्देशन संजय पीएस चौहान और निर्माण आनंद एल राय कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। यह एक महान युद्ध नायक मेजर जनरल इयान कार्डोजो के जीवन पर आधारित है। वह भारतीय सेना की 5वीं गोरखा राइफल्स गोरखा रेजिमेंट के सदस्य थे। यह भी अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।

जॉली एलएलबी-3

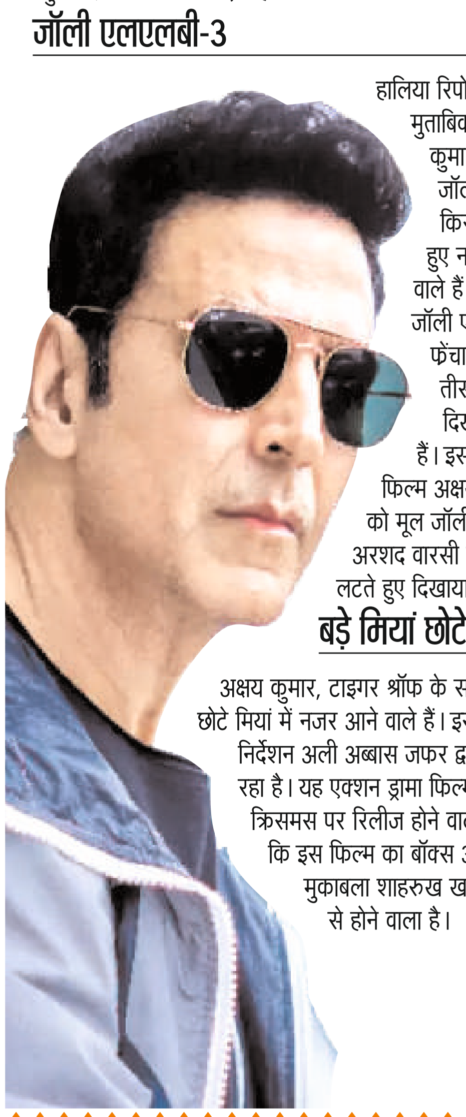

हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय कुमार फिर से जॉली का किरदार निभाते हुए नजर आने वाले हैं। जी हां, वह जॉली एलएलबी फेंचाइजी की तीसरी किस्त में दिखाई देने वाले हैं। इस भाग में फिल्म अक्षय के चरित्र को मूल जॉली एलएलबी अरशद वारसी के खिलाफ लटते हुए दिखाया जाएगा।

बड़े मियां छोटे मियां

अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े मियां छोटे मियां में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर द्वारा किया जा रहा है। यह एक्शन ड्रामा फिल्म अगले साल क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है। बता दें कि इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला शाहरुख खान की डंकी से होने वाला है।

सोनाली ने बिकिनी पहनकर किया योग

फिल्म प्यार का पंचनामा से मशहूर हुईं अभिनेत्री सोनाली सहगल इस समय इंटरनेट पर जमकर ट्रोल हो रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक फिटनेस वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह अपने फिटनेस ट्रेनर सर्वेश शशि के साथ योग करती नजर आ रही हैं। सोनाली का यह वीडियो सोशल मीडिया यूज़र्स को कुछ खास पसंद नहीं आ रहा है। यहीं वजह है कि लोग अभिनेत्री को बुरी तरह से ट्रोल कर रहे हैं। सोनाली सहगल का जो फिटनेस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है उसमें वह योग करती नजर आ रही हैं। योग करने के लिए अभिनेत्री ने व्हाइट कलर की बिकिनी का चुनाव किया। यहीं बात सोशल मीडिया यूज़र्स को बुरी लग गई और उन्होंने सोनाली को ट्रोल करना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया यूज़र्स अभिनेत्री को ढंग के कपड़े पहनकर योग करने की सलाह दे रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट किया, पूरे कपड़े पहनकर भी योग हो सकता है। एक ने लिखा, वाह, बिकीनी में योग। एक अन्य ने कमेंट किया, योग के लिए भी कपड़े उतारने पड़ते हैं। सोनाली सहगल ने अपने करियर की शुरुआत साल 2011 में फिल्म प्यार का पंचनामा से की थी। इसके बाद वह कई फिल्मों में नजर आईं लेकिन कुछ खास कमाल नहीं कर पाईं। फिल्मों के अलावा अभिनेत्री वेब सीरीज और म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं। सोनाली आखिरी बार साल 2020 में बड़े पर्दे पर नजर आईं थीं, इसके बाद से अभिनेत्री सोशल मीडिया पर ही एक्टिव हैं।

अनुष्का ने इंग्लैंड में शुरू की 'चकदा एक्सप्रेस' की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म चकदा एक्सप्रेस को लेकर जबरदस्त मेहनत कर रही हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए लगातार इससे जुड़ी अपडेट साझा करती रहती हैं। उनकी ये फिल्म भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक है, यानी इस फिल्म में अनुष्का क्रिकेट खेलती नजर आएंगी। अनुष्का शर्मा कुछ समय पहले क्रिकेट की ट्रेनिंग लेने इंग्लैंड गईं थीं और फिलहाल अब एक्ट्रेस ने जानकारी दी है कि उन्होंने वहां पर अपनी फिल्म के अगले शेड्यूल का शूट शुरू कर दिया है।

शेयर किया फिल्म से नया लुक

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी से गणेश जी की एक तस्वीर शेयर की है। उन्होंने ये तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- श्री गणेश...चकदा एक्सप्रेस का शेड्यूल इंग्लैंड में शुरू। अनुष्का शर्मा ने एक और पोस्ट भी शेयर की है, जिसमें उनका नया लुक नजर आ रहा है। दरअसल इस तस्वीर में अनुष्का को एक पीसीओ (टेलीफोन बूथ) के पास बारिश में किसी को फोन करते देखा जा सकता है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- एक कहानी से एक पल जिसे बताने की जरूरत है चकदा एक्सप्रेस, नेटफ्लिक्स और कमिंग सून जैसे हैशटैग का इस्तेमाल किया है।

बता दें कि चकदा एक्सप्रेस में क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की उपब्धियों के साथ ही उनका क्रिकेट के सफर में निजी से लेकर एकेडमिक संघर्ष भी दिखाया जाएगा।

महंगी कारों का शौक रखते हैं अल्लू अर्जुन

साउथ सिनेमा का एक बेहतरीन, दमदार और लाजवाब कलाकार जो किसी भी मायने में बॉलीवुड सितारों से पीछे नहीं है। हम बात कर रहे हैं प्रतिभा के धनी अभिनेता अल्लू अर्जुन की। तेलुगू फिल्मों के सुपरस्टार माने जाने वाले अल्लू अर्जुन आज केवल वहां ही नहीं हिंदी पट्टी में भी पॉपुलर हैं। फिल्म पुष्पा: द राइज के बाद से अल्लू अर्जुन देश से लेकर विदेशों में भी अपनी कलाकारी के दम पर चमक रहे हैं। वह दिन-ब-दिन सफलता की सीढ़ी चढ़ते जा रहे हैं और नए-नए आयाम भी हासिल कर रहे हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ताबातोड़ कमाई करने के साथ ही अल्लू अर्जुन की ऐसी छवि तैयारी कि जिसे तोड़ पाना अभी तो किसी के बस में नहीं लग रहा। चलिए इस रिपोर्ट में जानते हैं दिन-ब-दिन मिलती सफलता को एंजॉय कर रहा यह अभिनेता कितनी संपत्ति का मालिक है।

आर्या , येवडु, ना इलू इंडिया और पुष्पा द राइज जैसी शानदार फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय का जौहर दिखाने वाले अल्लू अर्जुन एक लग्जरी लाइफस्टाइल जीते हैं। अल्लू अर्जुन की गिनती साउथ सिनेमा के अमीर कलाकारों में होती है। पुष्पा के स्टार अभिनेता इस समय एक फिल्म के लिए 125 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं। अल्लू अर्जुन की नेटवर्थ की बात करें तो अभिनेता के पास कुल 350 करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो वह फिल्मों के अलावा कई और चीजों से भी कमाते हैं। इनमें ब्रैंड एंडॉर्समेंट्स भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन ने अपनी सुपरहिट ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा: द राइज के लिए 32 करोड़ रुपये फीस चार्ज की थी। लेकिन अब इसी फिल्म के सीक्वल पुष्पा: द रूल के लिए अल्लू अर्जुन ने 100 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है। अभिनेता के एक महीने की कमाई की बात करें तो वह 30 दिनों में दो करोड़ रुपये कमाते हैं। इसके हिसाब से अल्लू अर्जुन की सालाना कमाई 24 करोड़ रुपये हो जाती है। फिल्मों के साथ ही अल्लू अर्जुन कई ब्रांड्स के एड में काम करते हैं, जिनसे वह लगभग चार करोड़ रुपये कमाते हैं। फिल्मों और एड्स में काम करने के साथ ही अल्लू अर्जुन ने हैदराबाद के एक हेल्थकेयर में भी इंवेस्ट किया हुआ है।

इतनी संपत्ति के मालिक और बेहतरीन स्टार माने जाने वाले अल्लू अर्जुन एक आलीशान घर में राजा की तरह रहते हैं। अभिनेता का घर हैदराबाद के जुबली हिल्स में हैं। जुबली हिल्स हैदराबाद का सबसे पॉश एरिया माना जाता है। अल्लू अर्जुन का घर अंदर से बेहद ही खूबसूरत है। इसका इंटीरियर बहुत ही लाजवाब तरीके से हुआ है। आठ हजार स्क्वायर फीट में बने इस आलीशान घर में एक प्राइवेट पूल भी है। अल्लू अर्जुन का बंगला अंदर के साथ-साथ बाहर से भी बेहद शानदार नजर आता है, जिसकी कीमत 100 करोड़ रुपये है। हैदराबाद के इस घर के अलावा अल्लू अर्जुन का मुंबई में टू बीएचके अपार्टमेंट भी है, जो उन्होंने 2015 में खरीदा था। पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन को घर के साथ-साथ मंहगी कारों का भी शौक है। अभिनेता के पास बेहतरीन कारों का कलेक्शन है, जो वह अपने घर के गराज में रखते हैं।

अल्लू अर्जुन के पास एक से बढ़कर एक गाड़ियां हैं, जिनमें रेंज रोवर वोग, हमर एच2, वॉल्वो एक्ससी 90 टी8 एक्सीलेंस, मर्सिडीज जीएलई 350डी, जैगुआर एक्सजे एल और बीएमडब्ल्यू एक्स6 एम स्पोर्ट शामिल हैं। इन सभी की कीमत लाखों में है, जो किसी को भी चौंका सकती है। इतना ही नहीं कुछ भारतीय सेलेब्रिटीज में अल्लू अर्जुन भी एक ऐसे स्टार हैं, जिनके पास अपना प्राइवेट जेट भी है। इसके साथ ही अल्लू अर्जुन के पास पर्सनल वैनिटी वैन द फैल्कन भी है, जो सात करोड़ रुपये की है।

उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार परिषद(IIC)

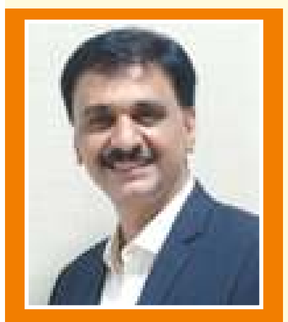

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

भारत सरकार ने सभी उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) के बीच नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए 'M o E ' s Innovation Cell (MIC)' की स्थापना की है। एमआईसी का प्राथमिक उद्देश्य युवा छात्रों को नए विचारों के साथ काम करने और उन्हें प्रोटोटाइप में बदलने के लिए प्रोत्साहित करना, प्रेरित करना और उनका पोषण करना है।

आईआईसी का प्रमुख फोकस

एक जीवंत स्थानीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाना। एचईआई में स्टार्ट-अप सपोर्टिंग मैकेनिज्म। नवाचार उपलब्धियों की रूपरेखा पर संस्थानों की अटल रैंकिंग के लिए संस्थान तैयार करें। विचारों की खोज और विचारों के पूर्व-ऊष्मायन के लिए फंक्शन इकोसिस्टम की स्थापना। प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए बेहतर संज्ञानात्मक क्षमता विकसित करना।

आईआईसी के कार्य

• केंद्रीय एमआईसी द्वारा निर्धारित विभिन्न नवाचार और उद्यमिता संबंधी गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से संचालित करना।

• नवाचारों को पहचानें और उन्हें पुरस्कृत करें और सफलता की कहानियों को साझा करें।

• उद्यमियों, निवेशकों, पेशेवरों के साथ समय-समय पर कार्यशालाओं/सेमिनारों/बातचीत का आयोजन करें और छात्र नवप्रवर्तनकर्ताओं के लिए एक सलाहकार पूल बनाएं।

• साथियों और राष्ट्रीय उद्यमिता विकास संगठनों के साथ नेटवर्क।

• संस्थान के संकाय और छात्रों द्वारा किए गए अभिनव परियोजनाओं को उजागर करने के लिए एक संस्थान का नवाचार पोर्टल बनाएं।

• उद्योगों की भागीदारी के साथ हैकाथॉन, विचार प्रतियोगिता, छोटी चुनौतियां आदि का आयोजन।

आईआईसी के शुभारंभ के बाद से, छात्रों ने उद्यमशीलता प्रथाओं को स्थापित करने के तकनीकी कानूनी पहलुओं पर एक अंतर्दृष्टि प्राप्त करके लाभान्वित किया है।

पेटेंट और कॉपीराइट नियमों के संपर्क ने युवाओं में जागरूकता पैदा की है और भविष्य के अनुसंधान के लिए दिशा प्रदान की है।

अवधारणा विचारों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने से छात्रों को ज्ञान के संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के कई अवसर मिलते हैं। आने वाले समय में उच्च शिक्षा संस्थानों में आईआईसी की स्थापना समग्र विकास के लिए मास्टरस्ट्रोक बनने जा रही है, अधिक जानकारी के लिए iic.mic.gov.in देखें।

कुसुम का ज्ञान मानवहितकारी

शिवशंकर का शंखनाद और आरती की स्नेहिल आरती उतारी गई

निदामत, उन्नाव। दिनांक 8 सितम्बर 2022 को ब्रम्हकुमारी आश्रम (नन्दन वन), उन्नाव में विशेष योग तपस्या का आयोजन हुआ एवं कानपुर जोन इंचार्ज बहन बी0के0विद्या जी का देहांत हो गया था उनको याद कर शोक सभा का आयोजन किया गया।जिसक्रम में लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार आइसना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवशंकर त्रिपाठी जी एवं आइसना की राष्ट्रीय महासचिव - प्रेस काउंसिल ऑफ इण्डिया की मेम्बर कु. आरती त्रिपाठी व श्री सौरभ मिश्र राष्ट्रीय महासचिव, आइसना को बुलाया गया। श्री शिवशंकर त्रिपाठी जी निरन्तर 25 वर्षों से माउंटआबू ब्रह्कुमारी से जुड़े हुए है वो जब भी किसी कार्यक्रम में माउंटआबू जाते है सदैव उनको मुख्य अतिथि बनाकर भव्य स्वागत किया जाता है आज उसीक्रम में उन्नाव में नंदनवन की सुंदरता को चमन करने वाली बहन कुसुम जी एवं भाई रामपाल जी ने भव्य स्वागत किया। राष्ट्रीय महासचिव आइसना सौरभ मिश्र को कुसुम दीदी एवं रामपाल भाई ने भरपूर स्नेह देते हुए कान्हा जी का भव्य चित्र आशीर्वाद रूप मे भेंट किया।वहीं आरती त्रिपाठी द्वारा उनके पिता श्री शिव शंकर त्रिपाठी के जीवन पर आधारित पुस्तक "एक कलमकार का जीवन वृत्त" कुसुम जी को भेंट की गयी।इस अवसर पर श्री राजेश शुक्ल, श्री रवि भाई, श्री एस0के0 अवस्थी, श्री संजय मिश्र, श्री मोहन भाई जी एवं काफी श्रोतागण मौजूद थे। सभी लोगों ने स्वादिष्ट प्रसाद ग्रहण कर अपना अपना उदर भरा।

वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी दिलशाद एस. खान ने गणपति बप्पा का दर्शन कर लिया आशीर्वाद

देश की तरक्की और खुशहाली के लिए बप्पा से की कामना

मुंबई। इन दिनों देशभर में गणेश उत्सव की धूम देखने को मिल रही है। किसी ने अपने घर पर बप्पा को स्थापित किया है तो कोई शहर में लगे बप्पा के पंडाल में जाकर उनका आशीर्वाद ले रहा है। बता दें कि आजाद बंगला, नाडियाडवाला कॉलोनी - 1, एस.वी. रोड, मलाड - पश्चिम मुंबई में पुरुषोत्तमलाल रामकुमार जैन चैरिटेबल सोसाइटी (ट्रस्ट) रजि. के संस्थापक - अध्यक्ष पुरुषोत्तमलाल रामकुमार जैन ने भी अपने आवास पर गणपति बप्पा को स्थापित किया है। पुरुषोत्तमलाल रामकुमार जैन ने अपने आवास पर गणपित बप्पा का दर्शन करने के लिए वरिष्ठ पत्रकार, समाजसेवी व दै. मुंबई हलचल समाचार पत्र के संपादक दिलशाद एस. खान को आमंत्रित किया था। दिलशाद एस. खान ने पुरुषोत्तमलाल रामकुमार जैन के आवास पर पहुंचकर गणपित बप्पा का दर्शन कर उनका आर्शिवाद। साथ दिलशाद एस. खान ने देश की तरक्की और खुशहाली के लिए भी बप्पा से कामना की। एक तरफ जहां आज नेताओं की वजह से देश में हिंदु-मुस्लिम में नफरतें फैलाई जा रही हैं, वहीं दिलशाद एस. खान हिंदु-मुस्लिम भाईचारे के बीच एक मिसाल हैं। दिलशाद एस. खान ने कहा कि गणपति बप्पा का मैं हर साल अपने दोस्तों के घरों पर जाकर दर्शन करता हूं और और उनका आशीर्वाद लेते हूं, साथ ही मैं हमेशा देश की खुशहाली और तरक्की की मन्नतें भी मांगता हूं। इस दौरान दिलशाद एस. खान ने सभी देशवासियों को गणेश उत्सव का शुभकामनाएं दी। इस दौरान बप्पा का दर्शन करने के लिए मॉडल व फिल्म अभिनेत्री फिरदौश खान, सामना के वरिष्ठ पत्रकार जय सिंह, सनातन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत सिंह और अन्य लोग मौजूद थे।

बॉलीवुड सितारों के घर विराजमान गणराया

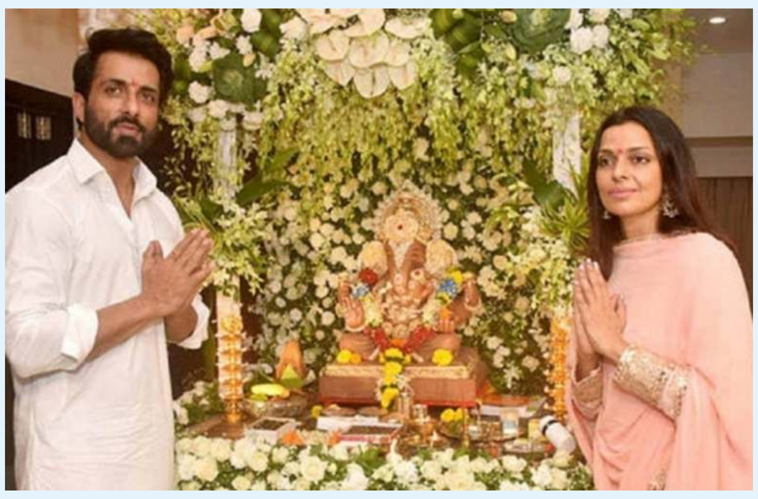

नक्षत्र टाउनशिप डिंडोली सूरत में प्रवीणा बेन ठक्कर घर में विराजमान श्री गणेश

सूरत के डिंडोली विस्तार में नक्षत्र टाउनशिप सोसाइटी में विराजमान श्री गणेश

ए/5 शांतिनगर मीरा रोड सेक्टर 7 स्थित गणेश जी के दर्शन करने वाला कुत्ता

बापा के दर्शन करने वाला ये कुत्ते हमेशा आरती के समय या आरती का समय समाप्त होने से पहले आकर खड़े हो जाता हैं। सबसे पहले प्रसाद स्वयं प्राप्त करने के लिए वह प्रसाद बांटते समय प्रसाद की थाली के सामने कूद कर खड़ा हो जाता है। गणपति बापा मोरिया का जाप करते हुए भक्त के सामने दो पैर उठाता है इसे देखकर भक्त भी प्रसन्न होते हैं।

-छाया चित्र : हर्ष सोमपुरा

सूरत के डिंडोली विस्तार में माधव रेसीडेंसी सोसाइटी में सन 2020 से गणेश जी की स्थापना की जा रही है यहां रहने वाले गुजराती मारवाड़ी और अन्य जाति के लोगों बड़े उत्साह से पूजा अर्चना करते हैं

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाइटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।